Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 236
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 02 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 सिंहगढ़ रोड पर बना फ्लाईओवर परिवहन ...
4 पर्यटन जैसे कमाऊ क्षेत्र के लिए बुरा संकेत...
7 महाआर्यमन सिंधिया एमपीसीए अध्यक्ष चुने ...

संक्षिप्त न्यूज

कोलकाता में सेना ने टीएमसी का विरोध मंच हटाया, ममता बनर्जी ने केंद्र पर लगाया आर्मी के दुरुपयोग का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को भाजपा पर एक नया हमला बोला और उस पर कोलकाता में उसके भाषा आंदोलन धरना स्थल को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए इसे अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक और बल प्रयोग की रणनीति बताया। मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भी भगवा पार्टी की आलोचना करते हुए उस पर 'गंदा राजनीतिक खेल' खेलने का आरोप लगाया। कोलकाता के मैदान इलाके में गांधी प्रतिमा के बगल में बनाए गए अस्थायी ढाँचे को भारतीय सेना ने हटा दिया। भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मज़दूरों पर कथित अत्याचारों के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया।

तृणमूल ने कहा कि उन्हें प्रदर्शन करने और अस्थायी ढाँचा बनाने की अनुमति थी और आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि हम भारतीय सेना का बहुत सम्मान करते हैं। मेयो रोड पर जो हुआ, वह सेना का काम नहीं है।ँद्बर्४ध्र्ह्यं ने पूर्व अनुमति और ज़मानत राशि जमा होने के बावजूद हमारे भाषा आंदोलन विरोध स्थल को ध्वस्त करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया। इसमें आगे कहा गया है, यह एक घबराई हुई पार्टी की अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक, दबंगई भरी रणनीति है, जो जानती है कि वह बंगाल का विश्वास नहीं जीत सकती। भाजपा सोचती है कि वे आवाज़ों को दबाने के लिए जूते चलाकर हमें चुप करा सकते हैं, लेकिन बंगाल कभी भी दबंगों के आगे नहीं झुका है ।

समुद्री युद्ध क्षमता में होगा इजाफा

एक लाख करोड़ से नौ पनडुब्बियां खरीदेगा भारत, दो सौदों की तैयारी

नई दिल्ली। चीन की बढ़ती नौसैनिक ताकत के मद्देनजर भारत हिंद महासागर में अपनी समुद्री युद्ध क्षमताओं में लगातार इजाफा कर रहा है। इसी के तहत अगले साल के मध्य तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के दो बड़े पनडुब्बी सौदों को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पहली परियोजना तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद की है। इस पर बातचीत चल रही है। इनका निर्माण सरकारी कंपनी मझगांव डॉक लि. (एमडीएल) व फ्रांसीसी कंपनी नेवल ग्रुप की ओर से संयुक्त रूप से किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने करीब 36,000 करोड़ रुपये के इस सौदे को दो वर्ष पहले मंजूरी दे दी थी, पर परियोजना के विभिन्न तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में देरी हुई है। रक्षा मंत्रालय की जिस दूसरी परियोजना पर नजर है, वह लगभग 65,000 करोड़ की लागत से छह डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों की खरीद है। इस खरीद को मंत्रालय ने 2021 में ही मंजूरी दी थी। जर्मन कंपनी ने की साझेदारी

अग्रणी जर्मन जहाज निर्माता कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स ने छह डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों से जुड़ी परियोजना के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि. के साथ साझेदारी की है। इसे हाल के वर्षों में सबसे बड़ी मेक इन इंडिया पहल में से एक बताया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं के तहत पनडुब्बियों की आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग छह वर्ष बाद शुरू होगी।

चीनी नौसेना के तेजी से आधुनिकीकरण की पृष्ठभूमि में, भारत सरकार ने परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की कई पनडुब्बी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। हालांकि, भारत को अपने हित के क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान, दोनों का मुक्काबला करने के लिए वांछित क्षमताओं का तेजी से विकास करना होगा। भारतीय नौसेना अगले दशक में अपनी लगभग 10 पनडुब्बियों को चरणबद्ध तरीके से हटा सकती है और उसी समय-सीमा में उन्हें बदलने की आवश्यकता होगी।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों और कठिन मौसम में अपनी लड़ाकू तैयारियों को परखने के लिए बड़ा सैन्य अभ्यास किया। यह अभ्यास शनिवार को पूरा हुआ। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि युद्ध कौशल 3.0 नाम के इस अभ्यास ने सेना की उभरती तकनीकों जैसे ड्रोन, सटीक हथियार और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन की क्षमताओं को मजबूत किया है।

अभ्यास के दौरान ड्रोन से निगरानी, रियल-टाइम लक्ष्य पहचान, सटीक हमले, एयर-लिटोरल डॉमिनेंस और युद्धक्षेत्र में तालमेल का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। इसमें तकनीक और सैनिकों की पेशेवर क्षमता का शानदार संगम दिखा। अभ्यास की खासियत नई गठित अश्नि प्लाटून का संचालन था, जिसने अगली पीढ़ी की तकनीक को पारंपरिक सैन्य कौशल के साथ जोड़कर भविष्य की जंग में निर्णायक बढ़त हासिल करने का उदाहरण पेश किया।

राहुल का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

'वोट चोरी पर छोड़ेंगे हाइड्रोजन बम, चेहरा नहीं दिखा पाएंगे पीएम'

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को भाजपा को एक आसन्न खुलासे की चेतावनी देते हुए कहा कि वह जल्द ही वोट चोरी के अपने आरोपों पर एक हाइड्रोजन बम छोड़ेंगे, क्योंकि महादेवपुरा के बारे में जो दिखाया गया वह सिर्फ़ एक परमाणु बम था।

'मतदाता अधिकार यात्रा' के अंतिम दिन एक सभा को संबोधित करते हुए, गांधी ने भाजपा पर तीखे हमले करते हुए कहा कि 'महात्मा गांधी की हत्या करने वाली ताकतें अब भारत के संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं।'

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 16 दिनों तक चलने वाली 'मतदाता अधिकार यात्रा' का उद्देश्य मतदाता अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और कथित 'वोट चोरी' और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं का विरोध करना है। राहुल गांधी ने पटना में कहा कि जिन ताकतों ने महात्मा गांधी की हत्या की, वही ताकतें डॉ. बीआर अंबेडकर और महात्मा गांधी के संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं। हम उन्हें भारत के संविधान को नष्ट नहीं करने देंगे। यात्रा के दौरान हमें बहुत समर्थन मिला। बिहार का हर युवा, बच्चा हमारे साथ खड़ा था... मैं भाजपा के लोगों से कहना चाहता हूं कि, महादेवपुरा में, हमने परमाणु बम दिखाया था, लेकिन जल्द ही हम हाइड्रोजन बम लेकर आएंगे, भाजपा तैयार हो जाओ।

राहुल ने साफ तौर पर कहा कि उनकी सच्चाई देश को दिखाई जाएगी। मैं बिहार के लोगों का हमारी मदद करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं... मैं आपको गारंटी देता हूं, हाइड्रोजन बम के बाद, नरेंद्र मोदी जी इस देश को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने वोट चोरी को 'अधिकारों, आरक्षण, रोज़गार, शिक्षा और लोकतंत्र की चोरी' करार दिया। उन्होंने कहा कि हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और लोगों को दिखाया। भारत का चुनाव आयोग हमें मतदाता सूची, वीडियोग्राफी नहीं देता... हमने देश के सामने सबूत पेश किए। 'वोट चोरी' का मतलब है हमारे अधिकारों, आरक्षण, रोज़गार, शिक्षा और लोकतंत्र की चोरी। वे आपका राशन कार्ड, ज़मीन छीनकर अडानी और अंबानी को दे देंगे।

बिहार की 20 लाख महिलाओं को पीएम की बड़ी राहतः कम ब्याज पर मिलेगा उद्यम ऋण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये भी हस्तांतरित करेंगे। जीविका निधि की स्थापना का उद्देश्य जीविका से जुड़े सामुदायिक सदस्यों को किफायती ब्याज दरों पर धनराशि तक आसान पहुँच प्रदान करना है। जीविका के सभी पंजीकृत संकुल-स्तरीय संघ इस संस्था के सदस्य बनेंगे। इस संस्था के संचालन के लिए बिहार

सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार भी धनराशि का योगदान करेगी।

जीविका के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं में उद्यमिता का विकास हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में कई छोटे उद्यम और उत्पादक कंपनियाँ स्थापित हुई हैं। हालाँकि, महिला उद्यमियों को अक्सर 18इ-24इ की ऊँची ब्याज दर वाली सूक्ष्म वित्त संस्थाओं पर निर्भर रहना पड़ता है। जीविका निधि की परिकल्पना एक वैकल्पिक वित्तीय प्रणाली के रूप में की गई है, ताकि एमएफआई पर निर्भरता कम की जा सके तथा कम ब्याज दरों पर बड़ी ऋण राशि की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। यह प्रणाली पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर संचालित होगी, जिससे जीविका दीदियों के बैंक खातों में सीधे तेज़ और अधिक पारदर्शी धनराशि हस्तांतरण सुनिश्चित होगा। इसे सुगम बनाने के लिए, 12,000 सामुदायिक कार्यकर्ताओं को टैबलेट से लैस किया जा रहा है।

वोट चोरी मोदी की आदत! खड़गे बोले- पीएम बिहार चुनाव में भी यही चाहेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव वोट चोरी के ज़रिए जीतने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से अपने मताधिकार की रक्षा के लिए सतर्क रहने का भी आग्रह किया, वरना मोदी और अमित शाह आपको डुबो देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली मतदाता अधिकार यात्रा के समापन पर आयोजित एक जनसभा में खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को चोरी करने की आदत है। वह वोट चुराते हैं, पैसा चुराते हैं। और वे (भाजपा) उन लोगों का ख्याल रखते हैं जो देश के बैंकों को लूटकर भारत से भाग गए।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी वोट चोरी के ज़रिए बिहार चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। आपको सतर्क रहना चाहिए। अगर आप सतर्क नहीं रहे, तो मोदी और शाह आपको डुबो देंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी आज़ादी के बाद देश को वोट का अधिकार दिलाए। हमें यह अधिकार नहीं खोना चाहिए, इसलिए हमें कड़ा संघर्ष करना होगा। हमें अपने मताधिकार पर मंडरा रहे खतरे को खत्म करना होगा।

जगदीप धनखड़ ने छोड़ा उपराष्ट्रपति निवास, अब इस नेता के घर पर हो रहे हैं शिफ्ट

नई दिल्ली। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आधिकारिक आवास खाली कर दिया है। धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों के हवाले से बताया कि धनखड़ ने अपने इस्तीफे की रात से ही सामान पैक करना शुरू कर दिया था, जब उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना पत्र भेजा था। 74 वर्षीय धनखड़ पिछले साल अप्रैल में संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड पर नवनिर्मित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में शिफ्ट हुए थे। उपराष्ट्रपति के आवास और कार्यालय वाले वीपी एन्क्लेव का निर्माण सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत किया गया था। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ दक्षिण दिल्ली के छतरपुर एन्क्लेव स्थित एक निजी आवास में रहने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि यह अभय सिंह चौटाला का फार्महाउस है। धनखड़ चौटाला के फार्महाउस में तब तक रहेंगे, जब तक उनको अधिकारिक सरकारी बंगला मिल नहीं जाता। उन्होंने राजस्थान विधानसभा के पूर्व विधायक के रूप में पेंशन के लिए भी दोबारा आवेदन किया है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव 9 सितंबर

को होने हैं और धनखड़ (74) को उससे पहले संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड स्थित उपराष्ट्रपति के सरकारी आवास को खाली करना होगा। धनखड़ पिछले साल अप्रैल में उपराष्ट्रपति के सरकारी आवास में रहने चले गए थे। सूत्रों के अनुसार, जब तक उन्हें सरकारी आवास नहीं मिल जाता, तब तक वे छतरपुर एन्क्लेव में ही रहेंगे। नियमों के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपतियों, उप-राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को टाइप-8 बंगला आवंटित किया जाता है। आवास की व्यवस्था आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय (संपदा निदेशालय) करता है। सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय के अधिकारियों ने धनखड़ से मुलाकात की थी, लेकिन उनके अगले आवास के विषय पर चर्चा नहीं हुई। धनखड़ के कार्यालय ने नियमों के अनुसार आवास के लिए औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया है। एक सूत्र ने बताया, 'अनुरोध प्राप्त होने के बाद, पूर्व उपराष्ट्रपति के समक्ष उपलब्ध विकल्प प्रस्तुत किए जाते हैं। चयन के बाद, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग आवश्यक कार्य शुरू करता है, जिसमें संशोधन भी शामिल हैं। पूरी प्रक्रिया में आमतौर पर कम से कम तीन महीने लगते हैं।'

हालांकि, सूत्रों ने बताया कि चूँकि इस प्रक्रिया में कोई प्रगति नहीं हुई है, इसलिए धनखड़ ने अंतरिम रूप से एक निजी आवास का विकल्प चुना है।

मतदाता सूची भाजपा की इच्छा के अनुसार तैयार की जा रही हैः हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर लोगों के अधिकार छीन रही है और मतदाता सूची सत्तारूढ़ गठबंधन की इच्छा के अनुसार तैयार की जा रही है। बिहार में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता ने राजग सरकार पर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन को सत्ता से बेदखल करने के लिए 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के घटक दलों से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर राज्य सरकारों को गिराने के लिए 'वोट चोरी' करने और विधायकों की खरीद-फरोख्त में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। सोरेन ने कहा, "भाजपा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का विपक्षी नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है।'

राहुल के हाइड्रोजन बम पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार, बताया 'फुस्स पटाखा', पूछा- हलफनामे से क्यों भागते हैं?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराए जाने और भाजपा को एक और हाइड्रोजन बम की चेतावनी दिए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उन्हें गैरजिम्मेदार और समझने में कठिन कहा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को बोलते हुए सुनता हूं, चाहे संसद के अंदर हो या बाहर, मुझे कई प्रकार के एंटीना लगाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोडूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था वो तो फुस्स हो गया, वो दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और वो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो दुनिया में भी हाइड्रोजन बम नहीं फूटा है।

कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक बार उन्होंने (राहुल गांधी) कहा था कि 5-6 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। दूसरी बात उन्होंने कही, तपस्या करने से गर्मी होती है। इसलिए एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है, इसके लिए मुझे जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी... इतना अपने आप को हल्का क्यों बना रहे हैं, आप विपक्ष के नेता के पद पर हैं, इसकी गरिमा होती है। भाजपा सांसद ने कहा कि

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं, लेकिन हलफनामे के मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं?

उन्होंने कहा कि मैं तीन सवाल उठाना चाहता हूँ जिनका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए: 1.21 लाख लोग मर चुके हैं। क्या उन्हें अब भी मतदाता सूची में रहना चाहिए? 2.35 लाख लोग अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहते। क्या उनके नाम बने रहना चाहिए? 3.7 लाख नाम दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। क्या उन्हें दो बार मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपत्तियाँ हलफनामों के माध्यम से दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी इससे क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि हलफनामे में झूठ बोलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहले बिहार में जब चुनाव होता था तो कितनी बूथ कैप्चरिंग होती थी, बूथ तक लूट लिया जाता था। लेकिन आज बूथ कैप्चरिंग खत्म हो गई है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं। आज ईवीएम में जाइए, बटन दबाइए और रिजल्ट सामने आता है। आज जो अखिलेश और तेजस्वी यादव कहते हैं कि बैलेट पेपर लाओ... क्योंकि इनके दिल में दर्द है कि ये लोग बूथ कैप्चरिंग नहीं कर पा रहे हैं। आज ये लोग जो चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट पर घमासान कर रहे हैं इसके बीच में दो मूल बिंदु हैं। हमें बूथ कैप्चर करने का अधिकार दो और घुसपैठियों को नहीं निकालो।

नितिन गडकरी का बेबाक बयानः जो लोगों को मूर्ख बना दे, वही सबसे अच्छा नेता

नई दिल्ली।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को लोगों से ईमानदारी और विश्वसनीयता के साथ काम करने का आग्रह किया और कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा कि यद्यपि शॉर्टकट से शीघ्र परिणाम प्राप्त करने में मदद मिल सकती है, लेकिन यह आपको छोटा कर देता है। अखिल भारतीय महानुभाव परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा कि भगवान कृष्ण ने भगवद गीता में लिखा है, अंत में सत्य की ही जीत होती है।

गडकरी ने कहा कि राजनीति में सच बोलना मना है। उन्होंने कहा कि यह कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है, क्योंकि जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहाँ 'पूरे दिल से सच बोलने को हतोत्साहित किया जाता है।' एक मराठी कहावत का हवाला देते हुए - 'हाओसे, नावसे, गावसे' (हर किसी की अपनी शैली और उद्देश्य होते हैं) - गडकरी ने कहा कि अंततः, जो नेता लोगों को मूर्ख बनाकर अपनी बात मनवा

लेता है, अक्सर वही सफल होता है। गडकरी ने कहा कि अक्सर यह माना जाता है कि जो लोगों को सबसे ज़्यादा बेवकूफ़ बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता बन सकता है। उन्होंने कहा कि मैं जिस क्षेत्र में काम करता हूँ, वहाँ पूरे दिल से सच बोलना मना है।

विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की समय सीमा बढ़ाने से इनकार, कहा- राजनीतिक दल खुद को सक्रिय करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावे और आपत्तियाँ दाखिल करने की भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की 1 सितंबर की समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने राजनीतिक दलों को अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहयोग करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने अदालत को सूचित किया कि दावे और आपत्तियाँ 1 सितंबर के बाद भी प्रस्तुत की जा सकती हैं, और मतदाता सूची के अंतिम रूप दिए जाने तक किसी भी वैध आवेदन पर विचार किया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया कि ऐसे दावों की जाँच नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक जारी रहेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योग्य नाम सूची में जोड़े जाएँ। आयोग की दलील दर्ज करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि समय सीमा बढ़ाने से एक 'अंतहीन प्रक्रिया' पैदा हो जाएगी और नियमों के तहत तय पूरी समय-सारिणी पटरी से उतरने का खतरा होगा। राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग द्वारा पहले ही जारी किए जा चुके नोट पर

अपनी प्रतिक्रिया देने की भी अनुमति दी गई।

चुनाव आयोग ने अदालत को बताया कि बिहार में, मसौदा मतदाता सूची में शामिल 2.74 करोड़ मतदाताओं में से 99.5 प्रतिशत ने पहले ही अपनी पात्रता के दस्तावेज़ जमा कर दिए हैं। अधूरे दस्तावेज़ वाले शेष मतदाताओं को सात दिनों के भीतर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। आयोग ने तर्क दिया कि 1 सितम्बर की समय-सीमा में किसी भी प्रकार का विस्तार एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन को बाधित करेगा तथा आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों को अंतिम रूप देने में देरी करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आधार पर न्यायालय की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि इसे सत्यापन के लिए सूचीबद्ध दस्तावेजों में से एक के रूप में स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन केवल पहचान के प्रमाण के रूप में। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि न्यायालय वृहद पीठ के फैसले और आधार अधिनियम की धारा 9 से आगे नहीं जा सकता, जो आधार को नागरिकता के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देती।

जम्मू में बाढ़ से मची तबाही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का किया आकलन

श्रीनगर। जम्मू में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजभवन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद, जिसमें विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी मौजूद थे, शाह जिले के सबसे अधिक प्रभावित गांव मंगूचक सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। सिन्हा और उमर अब्दुल्ला के साथ, शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। वह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे।

14 अगस्त से किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में 130 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और 33 लापता हैं। 26-27 अगस्त के दौरान रिकॉर्ड बारिश के कारण जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों के निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। मृतकों में 34 तीर्थयात्री शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी मंदिर

जाते समय हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे।

खराब मौसम और मार्ग पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वैष्णो देवी यात्रा सोमवार को सातवें दिन भी स्थगित रही। कटरा स्थित आधार शिविर वीरान पड़ा रहा और कुछ ही तीर्थयात्री यात्रा बहाल होने का इंतज़ार कर रहे थे।

मराठा आंदोलन पर बॉम्बे एचसी सख्त, हुआ सभी शर्तों का उल्लंघन, एक्शन ले सरकार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आज़ाद मैदान में विरोध प्रदर्शन कर रहे मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारंगे की बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ी आलोचना की हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि जारंगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं था और इसमें उन सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया था जिनके तहत उन्हें अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा कि पूरा शहर ठप्प हो गया था और दक्षिण मुंबई के प्रमुख स्थानों को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया था।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की एक विशेष पीठ ने आरक्षण विरोध के खिलाफ एमी फाउंडेशन द्वारा दायर मामले की विशेष सुनवाई की। जारंगे ने मराठा समुदाय के लिए 10

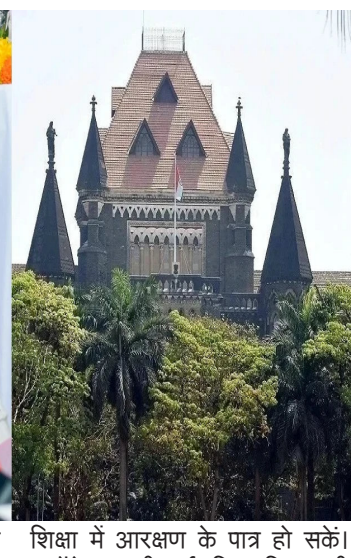

प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार को अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उन्होंने मराठों को कुनबी (अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में शामिल एक कृषक जाति) के रूप में मान्यता देने की मांग की, जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र हो सकें। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि उनकी मांग संवैधानिक रूप से वैध है, तथा कहा कि सरकारी रिकॉर्ड से यह साबित होता है कि कुनबी और मराठा एक ही जाति के हैं।

जरांगे ने चेतावनी दी कि अगर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनकी माँगें नहीं मानीं, तो 5 करोड़ से ज़्यादा मराठा मुंबई आ जाएँगे। उन्होंने कहा कि मराठा मुंबई आने का इंतज़ार कर रहे हैं। वे सही समय का इंतज़ार कर रहे हैं। अगर फडणवीस समुदाय की माँगें नहीं मानते, तो 5 करोड़ से ज़्यादा मराठा मुंबई आ जाएँगे। आरक्षण की मांग को लेकर मराठा समुदाय के सैकड़ों लोग छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और दक्षिण मुंबई के अन्य इलाकों में जमा हो गए, जिससे यातायात जाम हो गया और यात्रियों को परेशानी हुई। इसके जवाब में, पुलिस ने सीएसएमटी क्षेत्र की ओर जाने वाले वाहनों का मार्ग बदल दिया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) ने सीएसएमटी जाने वाली कई बस सेवाओं को निलंबित, परिवर्तित या छोटा कर दिया।

पश्चिम रेलवे के 6 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 6 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी जून एवं जुलाई, 2025 माह के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 6 कर्मचारियों में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडल से दो-दो कर्मचारी, जबकि मुंबई सेंट्रल एवं भावनगर मंडल से एक-एक कर्मचारी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले

कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि ब्रेक बाइंडिंग या हॉट व्हील एक्सल, आपातकालीन ब्रेक लगाकर अप्रिय घटना को रोकने, मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत कार्यों की समीक्षा

विभागीय रेल प्रबंधक द्वारा नांदगांव स्टेशन एवं परिसर का विस्तृत निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 01 सितम्बर 2025 को भुसावल मंडल के विभागीय रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ नांदगांव स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। यात्री सुविधाओं, स्टेशन मास्टर कक्ष, रिले रूम, सर्कुलेटिंग क्षेत्र तथा मालगोदाम का निरीक्षण कर यात्रियों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं स्टेशन के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर नांदगांव यार्ड का भी निरीक्षण किया गया। तृतीय/चतुर्थ मार्ग परियोजना अंतर्गत यार्ड रीमॉडलिंग हेतु चल रहे प्री-नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस उन्नयन से रेल परिचालन की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा यात्रियों को अधिक सुगम और समयनिष्ठ रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही तृतीय/चतुर्थ मार्ग परियोजना

के अंतर्गत निर्माणाधीन मणियार पुल का भी निरीक्षण किया गया। कार्यों को समय पर पूर्ण करने के लिए विशेष ध्यान देने पर बल दिया गया, जिससे रेल की आधारभूत संरचना और अधिक सुदृढ़ हो सके तथा यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं विश्वसनीय रेल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

सरकार मराठा आंदोलन पर न्यायालय के निर्देशों को लागू करेगी : फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि प्रशासन मराठा आरक्षण के लिए कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी प्रदर्शन पर मुंबई उच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करेगा। मुख्यमंत्री का यह आश्वासन उच्च न्यायालय द्वारा यह टिप्पणी किए जाने के कुछ ही देर बाद आया कि जरांगे और उनके समर्थकों ने प्रथम दृष्टया शर्तों का उल्लंघन किया है।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि चूंकि प्रदर्शनकारियों के पास आंदोलन जारी रखने के लिए वैध अनुमति नहीं है, इसलिए वह उम्मीद करती है कि राज्य सरकार उचित कदम उठाकर कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेगी।

अदालत ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अब कोई भी प्रदर्शनकारी शहर में प्रवेश न कर सके, जैसा कि जरांगे ने दावा किया है। फडणवीस ने पुणे में संवाददाताओं से कहा, ''सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करेगी।''

उन्होंने इस आरोप को खारिज कर दिया कि कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''(मराठा प्रदर्शनों से संबंधित) छिटपुट घटनाएं हुई हैं, जिन्हें पुलिस ने कुछ ही देर में संभाल लिया।''

फडणवीस ने विरोध प्रदर्शन समाप्त कराने के सवाल पर कहा, ''बातचीत माइक पर नहीं हो सकती, हमें पता होना चाहिए कि किससे बात करनी है। हम अड़े नहीं हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि आज सुबह हुई बैठक में कानूनी विकल्पों पर चर्चा की गई।

जरांगे का मराठा आरक्षण आंदोलनः फडणवीस ने शिंदे और अजित पवार से स्थिति पर चर्चा की

मुंबई(संवाददाता)।।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में हो रहे मराठा आरक्षण आंदोलन से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की। जरांगे 29 अगस्त से दक्षिण मुंबई स्थित आज़ाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। वह मराठा समुदाय को कुनबी दर्जा दिए जाने की मांग कर रहे हैं, जिससे उन्हें आरक्षण का लाभ मिल सके। कुनबी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत आते हैं। बैठक में मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप समिति के प्रमुख मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे भी उपस्थित थे। न्यायमूर्ति शिंदे हैदराबाद, सातारा और अन्य राजपत्रों के अनुसार कुनबी रिकॉर्ड की पड़ताल के लिए गठित समिति के प्रमुख हैं। विखे पाटिल ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार मराठा आरक्षण मुद्दे का कानूनी रूप से टिकने वाला समाधान ढूंढ़ना चाहती है। राज्य सरकार विभिन्न अदालती फैसलों पर विचार-विमर्श कर रही है, जिनमें कहा गया है कि मराठा सामाजिक रूप से पिछड़े नहीं हैं और उन्हें 'कुनबी' नहीं कहा जा सकता।

राज ठाकरे पर विवादित बयान, गणेशोत्सव के दौरान मनसे को लगा बड़ा झटका

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एक व्यक्ति पर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बारे में सोशल मीडिया और सार्वजनिक स्थानों पर आपत्तिजनक बयान देने का आरोप लगा है। डोंबिवली के एक कैफ़े में काम करने वाले एक कर्मचारी को मनसे के हमले के बाद अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। नौकरी से निकाले गए व्यक्ति का नाम आशुतोष गिरी है। इस घटना से यह संदेश एक बार फिर सामने आया है कि मनसे राज ठाकरे के बारे में ग़लत बयानबाज़ी करने वालों को नहीं बख्शेगी।

असली मामला क्या है?

डोंबिवली पूर्व के एमआईडीसी इलाके में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक (घरदा सर्कल) के पास एक कैफ़े में आशुतोष गिरी नाम का एक कर्मचारी काम करता था। खबर थी कि वह न सिर्फ़ सोशल मीडिया पर, बल्कि कैफ़े में भी मनसे पार्टी और उसके अध्यक्ष राज ठाकरे के

बारे में बार-बार बेतुके बयान दे रहा था। साथ ही, वह उस दुकान के दूसरे मराठी कर्मचारियों को परेशान और बहस भी कर रहा था। कैफ़े में काम करने वाले मराठी कर्मचारी इस लगातार उत्पीड़न और अपमान से तंग आ चुके थे।

इस गंभीर मामले की जानकारी स्थानीय मनसे पदाधिकारियों तक पहुँची। चूँकि गणेशोत्सव का दिन था, इसलिए कोई अनुचित घटना न घटे, इसलिए मनसे पदाधिकारियों ने सीधे कैफ़े मैनेजर से संपर्क किया। उन्होंने मैनेजर से इस घटना के बारे में पूछा। उन्होंने यह भी स्पष्ट चेतावनी दी कि यह कर्मचारी दोबारा दुकान में न दिखे, वरना वे उसे मनसे शैली में सबक सिखाएँगे।

मनसे के इस सख्त रुख के बाद, कैफ़े प्रबंधन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आशुतोष गिरी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया। उन्होंने मनसे पदाधिकारियों से माफ़ी भी मांगी। इस घटना से यह संदेश गया है कि मनसे राज ठाकरे के बारे में गलत बोलने वालों को बख्शेगी नहीं। यह घटना सिर्फ़ एक कर्मचारी की नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक रूप से किसी भी व्यक्ति या नेता के बारे में आपत्तिजनक बयान देते समय सोच-समझकर बोलने की ज़रूरत है। अन्यथा मनसे ने चेतावनी दी कि इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

शरद पवार-उद्धव ठाकरे ने प्रदर्शनकारियों की मदद की, जारंगे के आंदोलन की शाहीन बाग आंदोलन से तुलना की, सदावर्ते का अदालत में क्या आरोप?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मनोज जारंगे पाटिल के मराठा आरक्षण आंदोलन के खिलाफ हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। इस दौरान, वकील गुणरत्न सदावर्ते ने शरद पवार और उद्धव ठाकरे पर इस आंदोलन की मदद करने का आरोप लगाया है। सदावर्ते ने इस आंदोलन की तुलना दिल्ली के शाहीन बाग आंदोलन से भी की है। आइए जानते हैं गुणरत्न सदावर्ते ने असल में क्या कहा।

आंदोलन के कारण व्यवस्था ठप

हाईकोर्ट में मराठा आंदोलन पर बहस करते हुए वकील गुणरत्न सदावर्ते ने कहा कि इस आंदोलन के कारण सीएसएमटी और आसपास के चार बड़े अस्पताल हैं। वहां जनजीवन और आवश्यक व्यवस्थाएं ठप हो गई हैं। सीएसएमटी बेहद संवेदनशील जगह है और वहीं आंदोलन हो रहा है। कोर्ट के आसपास भी प्रदर्शनकारी मौजूद हैं। उम्मीद के मुताबिक, प्रदर्शनकारी रेलवे के फर्स्ट क्लास, सेकंड क्लास और एसी कोच में घूम रहे हैं। क्या प्रदर्शनकारी वाहनों के पास लाइसेंस हैं? सदावर्ते ने न्यायाधीश को सीएसटी पर भारी भीड़ के वीडियो और तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि वे उन वाहन मालिकों के बारे में सोच रहे हैं जो रेलवे ट्रैक पर उतर आए हैं और सभी सड़कें जाम कर रहे

हैं।स्कूलों और कॉलेजों की क्या स्थिति है? अदालत ने यह पूछा था। इस पर बोलते हुए, महाधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सूचित किया था कि कल से स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। इस पर बोलते हुए, सदावर्ते ने कहा कि मेरी बेटी स्कूल जाती है। एक विकलांग बच्चा कल पाँच घंटे तक ट्रैफ़िक में फँसा रहा और उसे वापस लौटना पड़ा। सदावर्ते ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों को और लोगों को लाने में चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

शरद पवार-उद्धव ठाकरे द्वारा विरोध प्रदर्शन में मदद

अपनी दलील में, सदावर्ते ने आगे आरोप लगाया कि इसमें सीधा राजनीतिक हस्तक्षेप है। सदावर्ते ने कहा कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टी के लोग उन्हें ट्रकों के ज़रिए अनाज पहुँचा रहे हैं। जुलूस के दौरान पुलिसकर्मियों को पीटा गया, महिला पुलिसकर्मियों को भी पीटा गया। कल सुप्रिया सुले की कार रोकी गई और पानी की बोतलें फेंकी गईं। सदावर्ते ने यह भी कहा कि महिला पत्रकारों को परेशान किया जा रहा है।

सदावर्ते ने मराठा आंदोलन की तुलना शाहीन बाग आंदोलन से की है। सदावर्ते ने कहा कि शाहीन बाग जैसे आंदोलनकारियों को धन कौन मुहैया करा रहा है, इसकी जाँच होनी चाहिए। अब इस याचिका पर अदालत क्या फैसला सुनाएगी? यह तो समय ही बताएगा कि आंदोलन रुकेगा या जारी रहेगा।

अब हिलने की ज़रूरत नहीं! सड़क पर नहा रहे हैं, रेलवे स्टेशन पर नाच रहे हैं... मराठा प्रदर्शनकारी भड़के हुए हैं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठा समुदाय मुंबई के आज़ाद मैदान में विरोध प्रदर्शन कर रहा है। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मराठा समुदाय के नेता मनोज जरांगे पाटिल कर रहे हैं। राज्य भर से मराठा प्रदर्शनकारी आज़ाद मैदान में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। आज इस विरोध प्रदर्शन का चौथा दिन है। मुंबई में हर जगह मराठा प्रदर्शनकारियों की भीड़ दिखाई दे रही है। रेलवे स्टेशन हो या सड़कें। मराठी समुदाय के प्रदर्शनकारी हर जगह नज़र आ रहे हैं। कुछ के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

प्रदर्शनकारी सड़कों पर नहा रहे हैं

इस समय, मराठा प्रदर्शनकारियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ये प्रदर्शनकारी गुस्से से जलते हुए दिख रहे हैं। पिछले तीन-चार दिनों से मुंबई में रहने के कारण, कुछ मराठा

प्रदर्शनकारी सड़कों पर नहाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन मराठा प्रदर्शनकारियों के नहाने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

रेलवे स्टेशन पर जयकारे

रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नज़र आ रहे हैं। कुछ लोगों ने रेलवे स्टेशन पर ढोल बजाकर जश्न मनाना शुरू कर दिया है। मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन के बाहर मराठा बंधुओं की भीड़ को देखते हुए, यातायात पुलिस ने यातायात मार्ग बदल दिया है। मुंबई सीएसएमटी और नगर पालिका की ओर आने वाले सभी रास्ते आज यातायात के लिए बंद रहेंगे। बताया जा रहा है कि मराठा आंदोलन के मद्देनजर सीएसएमटी क्षेत्र में यातायात में किए गए बदलाव के कारण, आज़ाद मैदान, मरीन ड्राइव, पायधुनी और वडाला यातायात पुलिस को अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई है।

मराठा प्रदर्शनकारियों ने रेलवे स्टेशन पर नृत्य किया

मराठा प्रदर्शनकारी उग्र होते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि मनोज जरांगे द्वारा की गई शांति की अपील को मराठा प्रदर्शनकारियों ने अनसुना कर दिया है। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने बेस्ट की बसों को रोक दिया है। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स पर चढ़कर अपना आंदोलन जारी रखा है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

रुचि की अभिव्यक्ति हेतु विज्ञापन

विषयः **लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत श्रेणी 'घ' के रिक्त पदों को गैर सरकारी संगठन के माध्यम से अनुबंध आधार पर भरने के संबंध में।**

मातोश्री रमाबाई ठाकरे मैटरनिटी होम, घाटकोपर (पश्चिम) विभाग द्वारा स्वैच्छिक संगठन (बचत समूह को छोड़कर) के माध्यम से एन वार्ड में श्रेणी 'डी' के रिक्त पदों को भरें। संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार प्रदान करना है। फर्म के लिए पीएफ/ईएसआईसी पंजीकरण अनिवार्य है।

हम आवेदक से अनुरोध करते हैं कि वह अपना आवेदन तैयार करें और चयन के लिए आवेदन करें। आवेदन का नमूना मातोश्री रमाबाई ठाकरे मैटरनिटी होम, घाटकोपर (पश्चिम) कार्यालय में 02.09.2025 से 12.09.2025 तक सुबह 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे के बीच दिया गया है। अंतिम तिथि 12.09.2025 (दोपहर 03:00 बजे तक) है। उल्लिखित कार्यालय समय के बाद जमा किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

लॉटरी तिथि -17.09.2025

पीआरओ/1440/विज्ञा./2025-26

प्रभारी वैद्यकिय अधिकारी
मातोश्री रपान्त्रराई डाक्रे प्रसुती गृह
घाटकोपर (प.), मुंबई - 400 086.

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

पुणेवासियों को गणेशोत्सव का तोहफा, पुणे के सबसे बड़े फ्लाईओवर का उद्घाटन

सिंहगढ़ रोड पर बना फ्लाईओवर परिवहन व्यवस्था के लिए बेहद अहम है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। सिंहगढ़ रोड पर बना ढाई किलोमीटर लंबा तीन चरणों वाला पुल पुणे शहर में बढ़ते यातायात के प्रबंधन के लिए बेहद अहम है और यह पुल न केवल पुणेवासियों को यातायात की भीड़ से राहत देगा, बल्कि प्रदूषण भी कम करेगा। इस पुल के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि गणेश चतुर्थी के दौरान यह पुणेवासियों के लिए एक तोहफा है।

सिंहगढ़ रोड पर राजाराम ब्रिज से फन टाइम थिएटर तक बने फ्लाईओवर का नागरिकों ने सेवा में लिया। दूसरे चरण का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

इस अवसर पर विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहल, शहरी विकास, परिवहन एवं सामाजिक न्याय राज्य मंत्री श्रीमती माधुरी मिसाल, ए. भीमराव तपकीर, ए. बापूसाहेब पठारे, ए. सुनील कांबले, ए. योगेश तिलेकर, पुणे नगर निगम आयुक्त नवल किशोर राम, पुणे शहर पुलिस आयुक्त अमितेश गुप्ता, अतिरिक्त नगर आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी., शहर के मुख्य अभियंता प्रशांत वाघमारे उपस्थित थे।

सिंहगढ़ रोड पर प्रतिदिन 1.5 लाख से

अधिक वाहन धायरी, नरहे, खडकवासला, वडगांव बुद्रुक, नांदेड़ शहर और बेंगलुरु-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरते हैं। चूँकि इस सड़क के एक ओर मुथा नदी और दूसरी ओर पहाड़ हैं, इसलिए वैकल्पिक सड़क संभव नहीं होने के कारण फ्लाईओवर का निर्माण आवश्यक था। पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित इस फ्लाईओवर का शिलान्यास 21 सितंबर 2021 को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने किया।

यह फ्लाईओवर तीन चरणों में पूरा हुआ है। पहले चरण में, राजाराम पूल चौक पर सिंहगढ़ से स्वर्गेट तक 520 मीटर लंबा फ्लाईओवर (लागत 15 करोड़ रुपये), दूसरे चरण में, विट्ठलवाड़ी और फन टाइम थिएटर के बीच स्वर्गेट से सिंहगढ़ तक 2.1 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर (लागत 61 करोड़ रुपये) और तीसरे चरण में, सिंहगढ़ से स्वर्गेट तक वीर शिवाजी काशी चौक और स्वर्गीय प्रकाश विट्ठल इनामदार चौक के बीच 1.5 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर (लागत 42 करोड़ रुपये) का निर्माण किया गया। इन तीनों चरणों पर कुल 118.37 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

तीस मिनट अब छह मिनट

पहले, राजाराम ब्रिज से फन टाइम थिएटर तक 2.6 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले छह चौराहों को पार करने में 30 मिनट लगते थे। नए फ्लाईओवर के साथ, यह समय अब ??घटकर केवल 5 से 6 मिनट रह गया है। पुल के नीचे की सड़क को तीन लेन की यातायात क्षमता, दोनों तरफ विशाल फुटपाथ और पार्किंग की सुविधा प्रदान करने के लिए उचित रूप से विकसित किया गया है।

इसके अलावा, सीएसआर के तहत दो एजेंसियों द्वारा डिवाइडर का सौंदर्यीकरण पूरा किया गया है, और अगले पाँच वर्षों तक इसका रखरखाव भी उन्हीं एजेंसियों द्वारा किया जाएगा।

यह फ्लाईओवर सिंहगढ़ रोड पर यातायात की भीड़ को काफी हद तक कम करेगा, जिससे नागरिकों को राहत मिलेगी।

'वोटर अधिकार यात्रा' में संजय राउत का पीएम मोदी पर तंज, 'क्रांति की आवाज चीन तक जानी चाहिए'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कांग्रेस, आरजेडी और इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दलों ने सोमवार (1 सितंबर) को पटना के अंबेडकर पार्क में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर रैली की. इस रैली में उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत भी शामिल हुए.

संजय राउत ने इस दौरान बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाया और पीएम मोदी का नाम लिए बिना उनको निशाने पर लिया. उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से इतना ही कहूंगा कि आपने वोट अधिकार यात्रा से क्रांति की मिसाल जलाई है. आपके साथ सिर्फ बिहार नहीं चला, आपके साथ पूरा देश चल रहा था.''

उन्होंने आगे कहा, ''अब हमारे वोट चोरों के सरदार चीन में बैठे हैं, ये क्रांति की आवाज चीन तक जानी चाहिए.''

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन के दौरे पर हैं.

राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का मार्च

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और 'इंडिया गठबंधन' के कई

अन्य नेताओं ने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन से पहले सोमवार को पटना में मार्च निकाला. राहुल गांधी और अन्य नेता एक खुले वाहन पर सवार थे और उन्होंने सड़क पर दोनों तरफ मौजूद उत्साही समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया.

इस दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य और शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत समेत कई अन्य नेता मौजूद थे.

'वोटर अधिकार यात्रा' 25 जिलों में 110 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी और इसमें 1300 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई. चुनाव आयोग के एजेंडा को लेकर ये नेता सवाल उठा रहे हैं. विपक्ष ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा दिया है. राहुल गांधी का कहना है कि बिहार में शुरू हुई यह 'क्रांति' पूरे देश में फैलने जा रही है.

फडणवीस ने समुदाय की मांगें नहीं मानीं तो पांच करोड़ से अधिक मराठा मुंबई आएंगेः जरांगे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को चेतावनी दी कि यदि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समुदाय की आरक्षण संबंधी मांगों पर ध्यान नहीं देते हैं तो पांच करोड़ से अधिक मराठा मुंबई आ जाएंगे।

महानगर के दक्षिणी हिस्से में स्थित आजाद मैदान में समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर किया जा रहा आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा।

जरांगे ने आरोप लगाया कि फडणवीस इस मुद्दे पर निर्णय में जानबूझकर देरी कर रहे हैं।

जरांगे ने दावा किया, '(समुदाय को आरक्षण देने का) फैसला लेना बहुत आसान है। राज्य सरकार को बस इतना कहना है कि वह हैदराबाद, सतारा और अन्य गजेटियर लागू कर रही है तथा मराठवाड़ा के सभी मराठों को कुनबी घोषित कर रही है। ऐसे प्रमाणपत्रों का वितरण जिलाधिकारियों और तहसीलदारों द्वारा किया जा सकता है।'

कार्यकर्ता ने चेतावनी देते हुए कहा, 'मराठा मुंबई आने का इंतजार कर रहे हैं। वे सही समय का इंतजार कर रहे हैं। अगर फडणवीस समुदाय की मांगों पर ध्यान नहीं देते हैं तो पांच करोड़ से अधिक मराठा मुंबई आ जाएंगे।'

जरांगे ने आरक्षण आंदोलनकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि उनके कारण मुंबईवासियों को असुविधा न हो। आरक्षण की मांग कर रहे मराठा समुदाय के सैकड़ों लोग छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और दक्षिण मुंबई के अन्य क्षेत्रों में एकत्र हो गए हैं, जिससे यातायात जाम हो गया है तथा यात्रियों को असुविधा हो रही है।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने सीएसएमटी क्षेत्र की ओर जाने वाले यातायात को दूसरे रास्तों की ओर भेज दिया है, जबकि बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम ने भी सीएसएमटी की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर बसों को निलंबित कर दिया है, परिवर्तित मार्ग से संचालन किया जा रहा है या सेवा को कम कर दिया है। जरांगे ने यह भी दावा किया कि 29 अगस्त को प्रदर्शन शुरू करने के बाद से उनके तीन समर्थकों की मौत हो चुकी है।

मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र के मंत्री का बड़ा बयान, 'सरकार कानूनी रूप से...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील ने सोमवार को कहा कि सरकार मराठा आरक्षण मुद्दे के समाधान के लिए काम कर रही है जो अदालत में सही साबित होगा. दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत आरक्षण देने की अपनी मांग को लेकर अपने आंदोलन के चौथे दिन सोमवार से पानी पीना बंद करने का संकल्प लिया है.

मराठा आरक्षण मुद्दे पर कैबिनेट उप-समिति के प्रमुख विखे पाटील ने रविवार रात स्थिति पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की. मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि हम इस मुद्दे को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं. मैं मानता हूं कि इसमें समय लग रहा है. लेकिन, समाधान ऐसा होना चाहिए जो अदालतों में टिक सके.

सरकार मराठा आरक्षण समाधान के लिए चर्चा करेगी

राधाकृष्ण विखे पाटील ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुंबईवासियों की दिनचर्या

प्रभावित नहीं हो क्योंकि इससे उनके आंदोलन की छवि धूमिल होगी. गतिरोध खत्म करने की सरकार की योजना पर चर्चा के लिए फडणवीस उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार से मुलाकात कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि OBC श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे जरांगे ने सरकार से उपलब्ध रिकॉर्ड पर आधारित आरक्षण के आधार पर सरकारी आदेश (जीआर) जारी करने की मांग की है.

जरांगे अपनी मांग पूरी होने तक धरना जारी रखेंगे

राज्य सरकार ने रविवार को कहा कि वह मराठा समुदाय को कुनबी (एक ओबीसी जाति) का दर्जा देने संबंधी हैदराबाद गजेटियर को लागू करने पर कानूनी राय लेगी. जरांगे हालांकि इससे प्रभावित नहीं हुए.

उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वह धरना स्थल से नहीं हटेंगे भले ही फडणवीस सरकार प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दे.

महाराष्ट्र के इस मस्जिद में 45 सालों से विराजते हैं गणपति बप्पा, हिंदू-मुस्लिम एकता का है प्रतीक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के एक गांव में चार दशक से अधिक समय से एक अनोखा गणेश उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें एक मस्जिद में गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है. स्थानीय गणेश मंडल के संस्थापक अशोक पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अन्यत्र धार्मिक तनाव का सांगली जिले के गोटखिंडी गांव के निवासियों पर कभी असर नहीं पड़ा है.

उन्होंने बताया कि इस गांव की आबादी करीब 15,000 है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के 100 परिवार शामिल हैं. मुसलमान भी इस मंडल के सदस्य हैं. वे 'प्रसाद' बनाने, पूजा अर्चना करने और उत्सव की तैयारियों में मदद करते हैं.

1980 में शुरू हुई थी परंपरा

पाटिल ने बताया कि यह परंपरा 1980 में शुरू हुई थी, जब भारी बारिश के कारण हिंदू और मुस्लिम समुदायों के सदस्यों ने सांगली जिले

के गोटखिंडी गांव में एक मस्जिद के अंदर गणपति की मूर्ति को ले जाने का फैसला किया था.

पाटिल ने कहा कि तब से यह परंपरा शांतिपूर्वक जारी है और इसमें मुस्लिम समुदाय की सक्रिय भागीदारी है. गांव के झुंझार चौक पर 'न्यू गणेश तरुण मंडल' की स्थापना 1980 में हुई थी. मूर्ति को 10 दिन के उत्सव के लिए मस्जिद में रखा जाता है और फिर अनंत चतुर्दशी के दिन उत्सव के समापन पर स्थानीय जलाशय में विसर्जित कर दिया जाता है.

गणेश चतुर्थी पर मुसलमानों ने कुर्बानी से किया परहेज

पाटिल ने बताया कि एक बार बकरीद और गणेश चतुर्थी की तारीखें एक साथ पड़ीं, तो मुसलमानों ने अपना त्योहार केवल नमाज अदा करके और 'कुर्बानी' न देकर मनाया था. उन्होंने कहा कि वे हिंदू त्योहारों के दौरान भी मांस खाने से परहेज करते हैं.

उन्होंने कहा कि पूरे देश को यहां के सामाजिक और धार्मिक सद्भाव के वातावरण से प्रेरणा लेनी चाहिए. पाटिल ने बताया कि हर साल गणेश मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए स्थानीय पुलिस और तहसीलदार को आमंत्रित किया जाता है. इस साल 10 दिवसीय गणपति उत्सव 27 अगस्त से शुरू हुआ.

मुंबई में गणेशोत्सव की धूम, पांचवें दिन 40 हजार से ज्यादा मूर्तियों का विसर्जन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गणेशोत्सव के पांचवें दिन, मुंबई में 40,000 से अधिक गणपति प्रतिमाओं का समुद्र, अन्य जल स्रोतों और कृत्रिम तालाबों में विसर्जन देर रात तक किया गया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका बीएमसी के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि विसर्जन प्रक्रिया के दौरान अब तक शहर में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को थी, और उस दिन से शुरू हुआ गणेशोत्सव छह सितंबर को अनंत चतुर्दशी तक चलेगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु डेढ़ दिन, पांचवें दिन और सातवें दिन मूर्तियों का विसर्जन करते हैं। अधिकारियों के अनुसार, रविवार को पांचवे दिन के उत्सव के बाद सोमवार सुबह नौ बजे तक कुल 40,225 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। इनमें 39,037 घरेलू गणपति मूर्तियां, 1,175 सार्वजनिक मंडलों की मूर्तियां और 13 हरतालिका देवी की मूर्तियां शामिल हैं। इससे पहले शुक्रवार को डेढ़ दिन के गणपति विसर्जन के अवसर पर कुल 60,177 मूर्तियों का विसर्जन किया गया था। इनमें से

29,683 मूर्तियां प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी थीं, जबकि 30,494 मूर्तियां पर्यावरण के अनुकूल मिट्टी से बनाई गई थीं। महानगरपालिका के अनुसार, गणपति विसर्जन के लिए लगभग 290 कृत्रिम तालाब बनाए गए हैं, जबकि लगभग 70 प्राकृतिक जल स्रोत जैसे कि समुद्र तट, झीलें और चौपाटियों पर भी विसर्जन की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण संरक्षण के तहत बीएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियों का विसर्जन घर पर ड्रम या बाल्टी में करें। वहीं, छह फुट से कम ऊंचाई की पीओपी से बनी मूर्तियों का विसर्जन केवल कृत्रिम तालाबों में करने का अनुरोध किया गया है।

गणेशोत्सव के अवसर पर राज्य के बाहर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

देहरादून, बड़ौदा, दिल्ली, बेलगाम, गोवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गणेशोत्सव

मुंबई। गणेशोत्सव को राज्य उत्सव का दर्जा दिया गया है और इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में, महाराष्ट्र राज्य के बाहर मराठी बहुल क्षेत्रों में पाँच स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से गणेशोत्सव मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम की संकल्पना सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा की गई है और सांस्कृतिक कार्य विभाग की सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी को इस कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन दिया गया है।

गणेशोत्सव के अवसर पर महाराष्ट्र राज्य के बाहर के कलाकारों को भी मंच मिलेगा। इसके अंतर्गत 27 से 29 अगस्त, 2025 तक वन अनुसंधान केंद्र, देहरादून में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शेष कार्यक्रम 01 सितंबर, 2025 को महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली में और 3 सितंबर, 2025 को गणेशोत्सव के अवसर पर सीमावर्ती क्षेत्र बेलगाम के के.एम. गिरी ऑडिटोरियम में आयोजित किए गए हैं।

रायगढ़ में बड़ा रिक्शा हादसा, शाखा प्रमुख समेत तीन लोगों की मौत

मुंबई(संवाददाता)। रायगढ़ के म्हसाला तालुका के खामगांव के पास एक बड़ा रिक्शा हादसा हुआ है। इस हादसे में चालक समेत दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के कंघार शाखा प्रमुख संतोष सावंत की भी मौत हो गई है। संतोष सावंत अपने रिक्शा से गोरेगांव की ओर जा रहे थे, तभी म्हसाला-गोरेगांव रोड पर तम्हाने शिर्के से कासर मलाई के बीच उनके वाहन के ब्रेक फेल हो गए और उनका वाहन सड़क के किनारे जा टकराया।

म्हसाला तालुका के खामगाँव के पास, शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे की कंघार शाखा के प्रमुख संतोष सावंत रिक्शा चला रहे थे, तभी उनके ब्रेक फेल हो गए और वे नियंत्रण खो बैठे और सड़क किनारे जा टकराए। गोरेगांव की ओर जाते समय, म्हसाला-गोरेगांव मार्ग पर तम्हाणे शिर्के और कासर मलाई के बीच उनकी गाड़ी सड़क किनारे जा टकराई। इस दुर्घटना में शाखा प्रमुख संतोष सावंत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार शांताराम कालिदास धोकटे और शर्मिलाबाई तुकाराम धोकटे की माणगांव उपजिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

रिक्शा चालक संतोष सावंत इस दुर्घटना में शाखा प्रमुख थे। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। संतोष सावंत उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना के शाखा प्रमुख थे। इस हादसे में रिक्शा सवार शांताराम कालिदास धोकटे और शर्मिलाबाई तुकाराम धोकटे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें घायल अवस्था में माणगांव के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहाँ डॉक्टरों ने उनकी जाँच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया। तीनों की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है।

सम्पादकीय

अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिश, भारत ने 40 देशों के साथ व्यापारिक साझेदारी की राह का शुरू किया अभियान

शुल्क संघर्ष बढ़ने के बीच भारत और जापान ने अपने विशेष रणनीतिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने के वास्ते अगले दस वर्षों के लिए साझेदारी का एक नया खाका तैयार किया है। इसमें रक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, दूरसंचार, दवा, महत्त्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकी और आर्थिक सुरक्षा ढांचा शामिल हैं। इसके तहत कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं, जिनमें न केवल साझा हित निहित हैं, बल्कि वैश्विक कारोबार में भी दोनों देशों की साख मजबूत होगी।

खासकर, अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क से निपटने के उपायों की तलाश के बीच जापान से यह साझेदारी और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत व्यापार के वैकल्पिक रास्ते खोजने में जुटा है और जापान के साथ समझौतों को इसी कड़ी का एक हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से जापान भी अछूता नहीं है और ऐसे में वह भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है।

अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिशों के तहत भारत ने चालीस देशों के साथ व्यापारिक संवाद का अभियान शुरू किया है। जापान भी उनमें से एक है। विभिन्न समझौतों के तहत जापान ने भारत में एक दशक के भीतर दस हजार अरब येन (करीब 60,000 करोड़ रुपए) के निवेश का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी कामगारों को एक-दूसरे के यहां आसानी से आने-जाने एवं काम करने का मौका देने को लेकर भी एक कार्ययोजना बनी है। माना जा रहा है कि इससे पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों के जापान जाने का रास्ता खुलने की उम्मीद है।

एक समझौता भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एअरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजंसी के बीच चंद्रमा के लिए संयुक्त अन्वेषण मिशन में सहयोग को लेकर हुआ है। दरअसल, भारत-जापान की साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इसमें दोराय नहीं कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा का संयोजन अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक नए आयाम को आकार दे सकता है। रक्षा उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग परस्पर आत्मनिर्भरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। दोनों देशों ने पेरिस समझौते के तहत कार्बन क्रेडिट व्यापार पर एक साथ काम करने के लिए भी समझौता किया है। इस कदम से भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों के लिए धनराशि और प्रौद्योगिकी हासिल करने में मदद मिल सकती है। जापान के साथ व्यापार, नवोन्मेष और उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। नवउद्यम, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी परस्पर लाभकारी हो सकते हैं।

इस तरह की संभावनाओं को तलाशना इसलिए भी जरूरी है, ताकि अमेरिकी शुल्क नीति जैसे और कोई दबाव भविष्य में भारत पर असर न डाल सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब चीन की यात्रा पर हैं और उम्मीद है कि वहां भी द्विपक्षीय व्यापार को लेकर सार्थक बातचीत होगी। वैसे तो भारत-चीन के रिश्ते परंपरागत रूप से ज्यादा अच्छे नहीं रहे हैं, लेकिन अमेरिकी शुल्क के मुद्दे पर दोनों देश एक मंच पर आ गए हैं और इस मसले पर रूस भी भारत के साथ है। माना जा रहा है कि इन तीनों आर्थिक शक्तियों का आपसी संवाद वैश्विक उथल-पुथल के बीच नए समीकरणों को आकार दे सकता है।

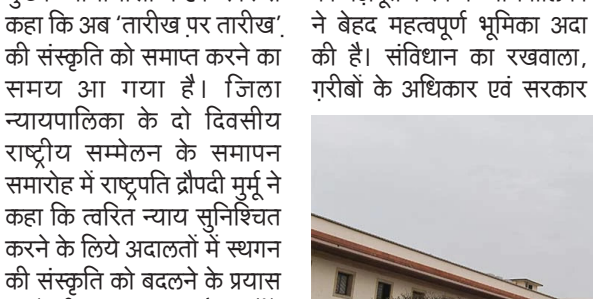

पर्यटन जैसे कमाऊ क्षेत्र के लिए बुरा संकेत, अब हर रोज करवट बदल रहा मौसम; आपदाओं के बीच जवाबदेही का सवाल

ऐसा लगता है कि वे दिन अब गुजर गए जब बरसात के मौसम में बारिश न होने पर किसान अपने खेत में खड़े होकर आसमान की ओर निहारा करते थे। फसल सूख जाने की चिंता उन्हें व्याकुल कर देती थी। अब तो मूसलाधार बारिश उन्हें इतना त्रस्त कर देती है कि वे आपदा से बचाने की गुहार लगाते नजर आते हैं। पिछले कुछ समय से लगातार बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने किसानों से लेकर आम नागरिकों को चिंता में डाल दिया है। इस प्राकृतिक आपदा से भारी तबाही मची है।

ऐसे में कई इलाकों के जलमग्न होने से संपदा और खेत-खलिहान भी बर्बाद हो जाते हैं। घर, सड़कें और राजमार्ग बह जाते हैं। बाढ़ की घटनाओं में वृद्धि निस्संदेह चिंताजनक है। वैश्विक ताप बढ़ने के कारण हिमनद असमय पिघल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का नतीजा अब हम प्रलय मचाती बाढ़ के रूप में भी देख रहे हैं। उफनती नदियां लोगों का जमा-जत्था बहा कर ले जा रही हैं। पिछले वर्ष सामान्य से कम बारिश हुई थी। तब पूरे देश के आधे भाग में भरपूर बारिश हुई थी और आधा भाग सूखा रह गया था। इस बार जो बारिश हो रही है, वह मौसम विज्ञानियों के अनुमान से भी अधिक है।

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान था कि इस वर्ष बारिश सामान्य से अधिक हो सकती है और मानसून समय पर आएगा, लेकिन तूफानी बारिश लेकर उमड़ते-घुमड़ते काले बादल समय से पहले ही चले आए। अब उनका निरंतर एवं सघनता से बरसना और उससे तबाही का कहर पिछले सभी रेकार्ड

तोड़ रहा है। कई राज्यों में लोग बेहाल हैं। सड़कें क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में बाधा आ रही है। लोगों का काम-धंधा चौपट है। सवाल है कि आखिर इस तबाही के लिए कौन जिम्मेदार है? लोग किससे पूछे कि यह तबाही कैसे आई और इसके नियंत्रण के क्या उपाय है? आमतौर पर कह दिया जाता है कि यह प्रकृति का प्रकोप है और आम आदमी इसे दुर्भाग्य मान लेता है। यह भी मान लिया जाता है कि ये स्थितियां मानव नियंत्रण से बाहर हैं। मगर तनिक गंभीरता से मनन करें, तो पाते हैं कि इस तबाही के पीछे भी कुछ प्रभावशाली लोगों का स्वार्थ है, जिसकी कीमत आज आम आदमी चुका रहा है।

इसमें दोराय नहीं कि आधुनिकता की दौड़ में हमने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां संभव नहीं था, वहां भी विस्फोटकों की मदद से पहाड़ों को खोखला कर दिया गया। वहां न केवल सुरंगे बनाई गईं, बल्कि पर्यटन के लिए रास्ते भी निकाले। लोभी लोगों ने पहाड़ों से लेकर हरित क्षेत्रों, कृषि भूमि और नदियों के आसपास से लेकर नालों तक अतिक्रमण कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर लीं। अब बारिश के कारण अवरुद्ध जल की निकास बड़ी समस्या बन कर सामने आई है। पानी को रास्ता नहीं मिलने से कई इलाके जलमग्न हो रहे हैं। पर्यटन जैसे कमाऊ क्षेत्र के लिए यह एक बुरा संकेत है। अब हर रोज मौसम करवट बदल रहा है। बारिश का आलम यह है कि राजस्थान जैसा सूखा और रेतीला इलाका भी अतिवृष्टि के कारण बेहाल है। ऐसे में सवाल है कि आम आदमी की विपदा के लिए सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा से क्या समस्या का स्थायी समाधान हो पाएगा?

अतिवृष्टि से उत्तर भारत तो बेहाल है ही, मुंबई से लेकर दक्षिण के तटीय इलाकों तक बारिश ने तबाही मचा दी है। जगह-जगह कई मकान और पुल बह गए हैं। आवागमन के लिए बनाई गई सुरंगें पत्थर गिरने के कारण अवरुद्ध हो रही हैं। उनमें पर्यटकों के साथ वाहन भी फंस रहे हैं। पंजाब में भी इस बार बारिश से तबाही मच गई है। जलंधर, पठानकोट, फाजिल्का, होशियारपुर, अजनाला और रइया में मूसलाधार बारिश से जगह-जगह तालाब बन गए हैं। जम्मू-कश्मीर में स्थिति गंभीर है। कठुआ में क्षतिग्रस्त पुल पर आवाजाही बंद हो गई है। हिमाचल के लाहौल से लेकर उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम तक असामान्य बर्फबारी हुई, जिससे धार्मिक पर्यटन से मिलने वाले राजस्व का नुकसान हुआ। लाखों लोगों की धार्मिक यात्राएं अवरुद्ध होती नजर आईं, चाहे वह अमरनाथ यात्रा हो या चारधाम। वर्ष भर जारी रहने वाली वैष्णो देवी यात्रा में भी मूसलाधार बारिश के कारण कई बार व्यवधान आया। हाल में इस मार्ग पर भूस्खलन के कारण कई श्रद्धालुओं की जान चली गई।

इस बार नदियों के पानी को बांध संभाल नहीं पा रहे हैं। पंजाब के बांधों का जलस्तर खतरे के निशान की ओर है। इसलिए भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर बांध से हजारों क्यूसेक पानी सतलुज, ब्यास आदि नदियों में छोड़ा जा रहा है। पंजाब में सीमा पर सैकड़ों गांवों और घरों में पानी घुस गया है। हजारों एकड़ भूमि जलमग्न हो गई है, जिससे फसलों का काफी नुकसान हुआ है। सड़कें बह जाने से यातायात प्रभावित हुआ। देश की राजधानी दिल्ली भी जलभराव से बच नहीं सकी। यहां कई इलाकों में पानी का रेला देखा गया। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, वहां भी घुटनों तक पानी नजर आया। ऐसे में केवल प्रकृति का विकराल रूप लेने की बात कह कर हम अपनी जिम्मेदारियों और जवाबदेही से बच नहीं सकते।

सरकार को व्यवस्था में खामियों की बात स्वीकार करनी चाहिए। क्या देश ने पर्यावरण बचाने और वैश्विक ताप को नियंत्रित करने के लक्ष्य पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित किया है? क्वाड देशों के सम्मेलन में तो प्रण लिया गया था कि बढ़ते प्रदूषण और वैश्विक ताप के विरुद्ध सक्रिय अभियान चलाया जाएगा। वहीं, अमेरिका से लेकर पश्चिमी देश यह कह कर इस अभियान में अपना उचित आर्थिक योगदान देने से कदम पीछे खींच रहे हैं कि कार्बन उत्सर्जन और बढ़ते वैश्विक ताप के लिए वे दोषी नहीं, क्योंकि वे तो डिजिटल और रोबोट युग में चले गए हैं।

अब सवाल यह है कि पश्चिमी देशों के इस संकुचित दृष्टिकोण का खमियाजा भारत के लोग क्यों भुगते? क्या सभी को खुश करने की राजनीति को छेड़ कर इस अभियान को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती थी? मगर ऐसा नहीं हुआ। इसका नतीजा यह है कि हिमनद पिघल रहे हैं, मौसम चक्र में बदलाव से हर तरफ बाढ़ आ रही है। गांव और कस्बे गुम हो रहे हैं। क्या ऐसा संभव नहीं है कि जैसे भारत अब हर क्षेत्र में अपने पैरों पर खड़ा होने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह प्रदूषण और वैश्विक ताप से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए जाएं। भारत के इन प्रयासों को देखकर दूसरे देश भी यथायोग्य योगदान के लिए आगे आएंगे।

आलस्य का बढ़ जाना शारीरिक निष्क्रियता ही नहीं बल्कि मन की जड़ता का भी प्रतीक, समय की बर्बादी के साथ-साथ होता है आत्मा की ऊर्जा का क्षय

मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति उसका सक्रिय और सृजनशील होना है। जब मन किसी कार्य में नहीं लगता, नई चीजें सीखने या करने से दूरी बढ़ जाती है और आलस्य धीरे-धीरे जीवन पर हावी होने लगता है, तब यह केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि आत्मा की ऊर्जा का क्षय है। यह स्थिति मनुष्य को उस दिशा में ले जाती है, जहां वह जीवन की गतिशीलता खो बैठता है और भीतर से रिक्तता अनुभव करता है। किसी भी समाज या व्यक्ति की उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितने उत्साह से नित नए कार्यों में प्रवृत्त होता है। मगर जब मन किसी काम में न लगे और शरीर आलस्य के बोझ से दबा रहे, तब न केवल व्यक्तिगत विकास रुकता है, बल्कि सामाजिक योगदान भी नगण्य हो जाता है।

मन का किसी काम में न लगना कई बार परिस्थितियों का परिणाम होता है। जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव, निराशाएं या असफलताएं मन को थका देती हैं। ऐसा लगता है जैसे कोई अदृश्य दीवार हमारे और हमारे लक्ष्य के बीच खड़ी हो गई हो। जब यह मनःस्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इंसान काम करने से बचने लगता है, नई चुनौतियों से दूर भागता है और वही पुरानी राहों पर चलने में सहज महसूस करता है। यह मनोवैज्ञानिक जड़ता धीरे-धीरे आलस्य का रूप धारण कर लेती है, जो व्यक्ति की कार्यक्षमता को कुंद कर देता है।

आलस्य का बढ़ जाना केवल शारीरिक निष्क्रियता नहीं है, यह मन की जड़ता का भी प्रतीक है। आलस्य हमें सोचने, समझने और करने की प्रेरणा से वंचित कर देता है। जब कोई व्यक्ति काम से बचने लगता है, तब वह अपने भीतर छिपी संभावनाओं को मार रहा होता है। समय का प्रवाह थमता नहीं, लेकिन आलसी व्यक्ति उसके साथ बहने के बजाय ठहराव में जीता है। परिणामस्वरूप अवसर हाथ से निकल जाते हैं, प्रतिभाएं सुप्त पड़ी रहती हैं और जीवन का उद्देश्य धुंधला पड़ जाता है। नई चीजें करने से दूरी बनाना जीवन की सबसे बड़ी भूल है। हर नया अनुभव हमें न केवल ज्ञान देता है, बल्कि हमारी सोच में लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरता है। जो व्यक्ति हर नए अवसर से डरता है या उसे टालता है, वह अनजाने में स्वयं को सीमाओं में कैद कर लेता है। यह कैद धीरे-धीरे आदत बन जाती है और व्यक्ति बदलाव से घबराने लगता है। उसका मानसिक क्षितिज सिकुड़ जाता है और जीवन नीरसता से भर उठता है।

जीवन में निष्क्रियता और आलस्य का सबसे बड़ा खतरा यह है कि ये हमारी मानसिक और शारीरिक सेहत को प्रभावित करते हैं। लगातार काम से बचते रहने और उत्साहहीन जीवन जीने से मन में नकारात्मक विचार पनपने लगते हैं। आत्म-सम्मान घटता है, आत्मविश्वास डगमगाता है और व्यक्ति अपने ही जीवन से असंतुष्ट रहने लगता है। शारीरिक रूप से भी यह अवस्था रोगों का निमंत्रण बनती है, नियमित गतिविधियों की कमी से शरीर में ऊर्जा घटने लगती है, आलस सुस्ती और आखिर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

आलस्य का सबसे सूक्ष्म प्रभाव यह है कि यह हमें हमारे लक्ष्यों से भटका देता है। जो समय सपनों को साकार करने में लगना चाहिए, वह टालमटोल में व्यर्थ हो जाता है। काम टालने की यह आदत धीरे-धीरे हमारी आदतों का हिस्सा बन जाती है और जीवन में अनुशासन का अभाव पैदा करती

है। अनुशासनहीन जीवन कभी भी सफलता की ओर नहीं बढ़ सकता। इतिहास गवाह है कि जिन्होंने महान उपलब्धियां हासिल कीं, वे सदैव सक्रिय, जागरूक और कर्मठ रहे। उनके लिए हर नया दिन सीखने और करने का अवसर था, न कि आराम और आलस्य का आश्रय। हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि मन का किसी काम में न लगना हमेशा आलस्य से उपजा नहीं होता। कभी-कभी यह संकेत होता है कि हमारा मन उस काम में आनंद नहीं पा रहा है या वह हमारी वास्तविक रुचियों के विपरीत है। ऐसे में आवश्यक है कि हम अपने भीतर झांककर देखें कि क्या यह केवल आलस्य है या जीवन की दिशा बदलने का संकेत। अगर यह आलस्य है तो आत्मानुशासन और प्रेरणा से इसे दूर करना ही जीवन को सार्थक बना सकता है।

आलस्य से बाहर निकलने का उपाय मन को सक्रिय रखना है। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर उन्हें पूरा करना, नियमित व्यायाम और दिनचर्या में अनुशासन लाना, सकारात्मक विचारों से स्वयं को प्रेरित करना और सबसे बढ़कर नई चीजों को अपनाने का साहस रखना, ये सभी जीवन में फिर से ऊर्जा भर सकते हैं। जब हम हर दिन कुछ नया सीखने और करने का संकल्प लेते हैं, तो धीरे-धीरे निष्क्रियता का अंधेरा छंटने लगता है और मन फिर उत्साह से भर उठता है।

मन का काम में न लगना, नई चीजों से दूरी और आलस्य का बढ़ जाना हमारे जीवन के लिए विष के समान है। यह हमें उस राह पर ले जाता है, जहां सपने अधूरे रह जाते हैं, क्षमताएं अनदेखी रह जाती हैं और जीवन अपनी चमक खो देता है। जीवन तभी अर्थपूर्ण है, जब हम निरंतर सक्रिय रहें, नए अवसरों को अपनाएं और अपने भीतर छिपी संभावनाओं को जगाएं।

न्याय होता हुआ दिखे, तारीख पर तारीख की संस्कृति बदले

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरुआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल 'होता हुआ' न रहे, बल्कि 'दिखता हुआ' भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वास्तविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

‘हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान’ अभियान में बच्चों ने लिया पंच संकल्प

विद्यालय केवल ज्ञान का नहीं, नैतिक मूल्यों का केंद्र : डॉ. शुक्ल

करछना (प्रयागराज)। करछना थाना क्षेत्र के भड़ेवरा बाजार स्थित लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज धरवारा में सोमवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में ‘हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से पाँच संकल्प लिए। इनमें विद्यालय की स्वच्छता, अनुशासन, हरियाली, समरसता, चरित्र निर्माण, समाज सेवा और समर्पण जैसे मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प शामिल रहा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश महामंत्री डॉ. संतोष कुमार शुक्ल ने कहा कि विद्यालय केवल ज्ञान प्राप्त करने की संस्था नहीं है, बल्कि यह नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण का केंद्र है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की संपत्ति को राष्ट्र की धरोहर मानते हुए उसके संरक्षण और सदुपयोग की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति को निभानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। इसमें अंशिका पाठक ने प्रथम स्थान, आशू तिवारी ने द्वितीय तथा रूपाली तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में विद्यालय गौरव और स्वाभिमान की भावना और अधिक प्रबल हुई। प्रतियोगिता का संचालन संतोष शुक्ल द्वारा किया गया।

इसी कड़ी में विकासखंड करछना के सैकड़ों विद्यालयों में भी यह अभियान बड़े उत्साह से संपन्न हुआ। विद्यालय प्रांगणों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से पंच प्रण का संकल्प लिया। इसमें स्वच्छता, समयपालन, परिश्रम, देशभक्ति और विद्यालय गौरव जैसे मूल्यों पर विशेष बल दिया गया।

इस आयोजन का नेतृत्व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ करछना के ब्लॉक अध्यक्ष रणधीर शर्मा एवं महामंत्री त्रिवेणी शंकर ने किया। कार्यकारिणी के समर्पित प्रयासों से कार्यक्रम व्यापक स्तर तक पहुँचा और समाज के विभिन्न वर्गों से इसे सराहना मिली।

चकमार्ग पर अतिक्रमण से आवागमन बाधित, ग्रामीणों में आक्रोश

कौंधियारा, प्रयागराज। थाना कौंधियारा क्षेत्र के भमोखर गांव में चकमार्ग पर दबंगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस अतिक्रमण के कारण आम लोगों के आवागमन में गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है।

ग्रामीण वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने उप जिलाधिकारी करछना को प्रेषित पत्र में बताया कि हाईकोर्ट ने 13 अगस्त तक चकमार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश दिया था, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि तहसीलदार, लेखपाल और कानूनगो सहित संबंधित अधिकारियों ने मौके पर जांच तो की, परंतु जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

ग्रामीणों ने कहा कि न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बावजूद कार्रवाई न होना लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। उन्होंने मांग की है कि चकमार्ग को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराकर आवागमन की समस्या दूर की जाए।

इस संबंध में कानूनगो अरुण कुमार ने कहा कि चकमार्ग पर हुआ अतिक्रमण शीघ्र हटवा दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन जल्द ही कार्रवाई कर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराएगा और जनता की आवाजाही की समस्या का समाधान करेगा।

राहुल गांधी-तेजस्वी यादव के खिलाफ करछना में जोरदार विरोध प्रदर्शन

प्रधानमंत्री के मां का अपमान कांग्रेस सत्ता विहीन होकर अपनी पहचान बना चुकी है-राजेश शुक्ल

मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान’ के नारों से गूंजा रामपुर करछना

प्रयागराज। विपक्षी दल सत्ता से दूर होकर अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व उनकी मां के लिए कहे गए अपशब्द को देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। राहुल गांधी बार-बार देश को शर्मसार कर रहे हैं। यह बातें भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहीं। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सविता मिश्रा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में सोमवार को रामपुर करछना में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री की मां के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां व प्ले कार्ड लेकर ‘राहुल गांधी शर्म करो’, ‘राहुल गांधी माफी मांगो’, ‘मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान’, ‘मां का अपमान कांग्रेस की पहचान’ जैसे नारे लगाए।विरोध प्रदर्शन में भारी संख्या में महिलाएं, युवा मोर्चा कार्यकर्ता, पदाधिकारी व आमजन शामिल हुए और राहुल गांधी से प्रधानमंत्री व देश की जनता से माफी मांगने की जोरदार मांग कर विरोध जताया।

विधायक बारा डॉ वाचस्पति ने पांच सड़क एवं लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

सड़क बनने से लोगों को मिलेगी कीचड़ से मुक्ति - डॉ वाचस्पति

सोनू शुक्ला

बारा (प्रयागराज)। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए विधायक डॉ. वाचस्पति जी लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में उन्होंने विकास खंड जसरा के विभिन्न गांवों में सड़क निर्माण कार्यों की सौगात दी। विधायक ने जहां पांच सड़कों का उद्घाटन किया, वहीं तरहार क्षेत्र के चिल्ला गौहानी में एक निजी लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लाइब्रेरी होने से पढ़ने में बच्चों को काफी सुविधा मिलेगी। आगे उहोंने कहा कि क्षेत्र में हर तरफ सड़क बनाने का हमारा लक्ष्य है, जिससे लोगों आने जाने में सहूलियत हो, सुगम यातायात किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ है। सड़कें केवल गांवों को शहर से जोड़ती ही नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के क्षेत्र में भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। विधायक मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी ने बताया कि विधायक जी का लक्ष्य गांव गांव तक केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का है।

विकास खंड जसरा के ग्राम पंचायत कंजासा, भीटा, दसई बंधवा गौहनिया, जसरा, व पांडर में सड़क का उद्घाटन किया गया। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत कर उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि लंबे समय से वे पक्की सड़क की सुविधा का इंतजार कर रहे थे। नई सड़कें बनने से किसानों को मंडियों तक अपनी उपज पहुंचाने में आसानी होगी, बच्चों को स्कूल जाने में सहूलियत मिलेगी तथा बीमार मरीजों को अस्पताल तक ले जाना अब और सुगम होगा। विधायक डॉ. वाचस्पति ने लोगों से अपील की कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें और सड़क बनने के बाद उसकी देखभाल में भी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में क्षेत्र के अन्य गांवों को भी इसी प्रकार की योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से हरिराम त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि फूलचंद्र पटेल, श्यामू निषाद, राजकुमार पटेल, आशीष प्रधान, संदीप पटेल, जगत नारायण शुक्ला, ई. प्रकाश सिंह, बालगोविंद, कल्पना मिश्रा, बिमला भारतीय, नितेश निषाद, अतुल गुप्ता, सत्यम दुबे, विशेश्वर मिश्रा, श्रीकांत पटेल, देवानंद, राजेश प्रधान, प्रशांत, सुरेंद्र प्रधान, आशीष साहू, अर्पित जायसवाल, इंद्रजीत महराज, राकेश, सचिन, जितेंद्र, मुकेश निषाद, सोनू, अंबिका प्रसाद सहित दर्जनों लोग रहें।

महिला ग्राहकों की सुरक्षा पर हाईकोर्ट की चिंता, जिम प्रशिक्षक पर गंभीर आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुरुष जिम प्रशिक्षकों द्वारा महिला ग्राहकों को बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के प्रशिक्षण देने पर गहरी चिंता जताई है। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की पीठ ने यह टिप्पणी एक अपील की सुनवाई के दौरान की।

मामला मेरठ जिले के थाना ब्रह्मपुरी का है, जहां जिम ट्रेनर नितिन सैनी पर एक महिला ग्राहक को जातिसूचक गालियां देने, धक्का देने और अभद्र भाषा प्रयोग करने का आरोप है। महिला ने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत अपने बयान में यह भी कहा कि अपीलकर्ता ने उसके दोस्त का अश्लील वीडियो बनाया और उसे अश्लील सामग्री भेजी। कोर्ट ने कहा कि लगाए गए आरोप एससी-एसटी अधिनियम के अलावा आईपीसी की धारा 354 और 504 के तहत दंडनीय अपराध बनते हैं। अदालत ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा–‘यह गंभीर चिंता का विषय है कि वर्तमान में पुरुष जिम प्रशिक्षक महिला ग्राहकों को उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना प्रशिक्षण दे रहे हैं।’

जिलाधिकारी ने अंदावा में बने मूर्ति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

मूर्ति विसर्जन के लिए विसर्जन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को गणपति विसर्जन हेतु अंदावा के पास बनाये गये मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मूर्ति विसर्जन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु स्वच्छ जल की व्यवस्था के साथ-साथ प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने प्रकाश के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु वाहनों के आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि मूर्ति विसर्जन स्थल के आस-पास कहीं पर भी जाम की स्थिति न होने पाये। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर सतर्कता एवं सावधानी बरतने के निर्देश दिये है। कहा है कि कोई भी गहरें पानी में न जाने पाये। लाइफ जैकेट की व्यवस्था

भी सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। विसर्जन स्थल के पास उचित स्थान पर मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को एम्बुलेंस, चिकित्सकों की टीम तथा आस-पास के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर डाक्टरों तथा बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, फायर विभाग के अधिकारियों की तैनाती किये जाने के साथ-साथ साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन की व्यवस्था हेतु सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। अधिशाषी अभियंता, बाढ़ कार्य खण्ड को मूर्ति के विसर्जन वाले स्थल पर जेटी बनाने के साथ-साथ पुलिस विभाग को तालाब पर नाव व गोताखोरों की व्यवस्था, नगर निगम को तालाब के आस-पास सफाई, चूने आदि का छिड़काव, फिसलन से बचाव हेतु रैम्प तथा प्रतिमाओं को हटाये जाने तथा पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, यातायात विभाग को रूट डायवर्जन, यातायात की व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की पर्याप्त व्यवस्था, विद्युत विभाग को विसर्जन स्थल पर प्रकाश व जनरेटर की व्यवस्था, मुख्य चिकित्साधिकारी को विसर्जन स्थल पर एम्बुलेंस, चिकित्सकों, दवाईयां व अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था, जलकल एवं जल निगम को विसर्जन स्थल पर पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट के सभी पटल सहायकों के साथ की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को संगम सभागार में अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट के सभी पटल सहायकों के बैठक करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभी कार्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें एवं सुविधाएं चुस्त-दूरूस्त बनाये जाने एवं जनता से जुड़े सभी कार्यों का शीघ्रता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी अपर जिलाधिकारियों को उनसे सम्बंधित कार्यालयों का चेक प्वाइंट बनाकर निरीक्षण करने एवं अपने-अपने कार्यालयों की कार्यपद्धति में गुणात्मक सुधार लाये जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थायें किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें 15 दिनों में सुनिश्चित कर ली जाये। उसके बाद उनके द्वारा स्वयं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों को उनके द्वारा मार्क किए गये पत्रों की मानीटरिंग करने हेतु एक व्यवस्था बनाये जाने के लिए कहा है, जिससे कि पत्र पर हो रही कार्यवाही की अद्यतन स्थिति की जानकारी हो सके। उन्होंने सभी पटल सहायकों को उनसे सम्बंधित पत्रों को रिव्यू करते हुए कार्यालय की कृतकार्यवाही से अवगत कराने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा प्रेषित किए गए पत्र यदि आपके पटल से ही सम्बंधित है, तो उसे तत्काल सम्बंधित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें तथा दूसरे पटल से सम्बंधित होने पर पत्र को सही पटल पर कार्यवाही हेतु प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्तर पर आपके पटल पर पत्रों पर कार्रवाई लम्बित न रहे एवं प्रत्येक पटल पर जनप्रतिनिधियों के द्वारा पृष्ठांकित पत्रों का अलग रजिस्टर रहे, जिसमें उसका विवरण अंकित करते हुए यथाशीघ्र त्वरित कार्रवाई करते हुए कृतकार्यवाही से जनप्रतिनिधियों को अवगत भी करायें। उन्होंने पृष्ठांकित पत्रों के मानीटरिंग हेतु ई-आफिस की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए है।जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों से कहा कि आपके पटल के आस-पास का वातावरण साफ-सुथरा हो, फाइलों का व्यवस्थित ढंग से रख-रखाव हो, अपने-अपने पटल पर अपने नाम, पदनाम की प्लेट लगाये एवं पटल से सम्बंधित कार्यों की लिस्ट को भी चस्पा करें। उन्होंने पुरानी निरीक्षण आख्या, ऑडिट रिपोर्ट पर आवश्यक कार्यवाही एवं गार्ड फाइल को अपडेट रखने, डिस्पैच रजिस्टर में पत्राचार का पूर्ण विवरण रखने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने नाजिर से कलेक्टेड्ट परिसर के कार्यालयों में कक्ष संख्या अवश्य लिखे जाने एवं परिसर में कक्षवार सम्बंधित कार्यों का विवरण भी प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि सर्वोपरि है। अतः सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ससमय निस्तारण सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने सभी अपर जिलाधिकारियों को व उपजिलाधिकारी को शिकायतों का उचित निस्तारण करते हुए अपर जिलाधिकारियों को प्रत्येक दिन 20-20 शिकायतकर्ताओं से एवं उपजिलाधिकारी को प्रत्येक दिन 30-30 शिकायतकर्ताओं से वार्ता कर उनका फीडबैक लिए जाने एवं उन्हें निस्तारण से संतुष्ट किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं है। कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनिमेष वर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज, अपर जिलाधिकारी (नजूल) राजेश पांडे, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व श्रीमती विनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) संजीव कुमार शाक्य, नगर मजिस्ट्रेट विनोद सिंह, अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) अविनाश यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गणपति बप्पा के भजनों पर थिरके के भक्त, धूमधाम से मनाया जा रहा है गणेश उत्सव।

पट्टी। पट्टी क्षेत्र के सलाहपुर में धूम धाम से मनाया जा रहा है भगवान गणेश उत्सव। आयोजक लाखन सिंह ने बताया कि आठ वर्षों से लगातार गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। जहां भक्तों ने बप्पा के भजनों पर झूम उठे। जिसमे भक्तों ने गणेश भगवान की पूजन और आरती की पूजन और आरती के समापन के बाद सभी ने प्रसाद को ग्रहण किया पूजा पंडाल में रंग-बिरंगे आकर्षण सजाए गए हैं।आगामी 5 सितंबर को गणपति का विसर्जन होगा। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा मंडल उपाध्यक्ष लाखन सिंह, अनिल सिंह, जमुना सिंह, जितेंद्र सिंह , भूपेश सिंह, अभिमन्यु सिंह, प्रमोद सिंह, वीरेंद्र सिंह, सचिन सिंह, चंचल सिंह, हलचल सिंह , राजेश सिंह, आदि सभी ग्राम सभा के लोग मौजूद रहे।

घट रहा देह व्यापार, शिक्षा की रोशनी से बच्चों के जीवन में मुस्कान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर के हनुमान टेकरी क्षेत्र, जो कभी देह व्यापार के गढ़ के रूप में बदनाम था, अब धीरे-धीरे अपनी तस्वीर बदल रहा है। करीब सात वर्ष पूर्व जहां इस बस्ती में 1500 से 2000 महिलाएं देह व्यापार में लिप्त थीं, वहीं अब इनकी संख्या घटकर मात्र 200 से 250 तक सिमट गई है। इस सकारात्मक बदलाव के पीछे है श्री साईं सेवा संस्था और उसकी अध्यक्षता स्वाति सिंह का प्रयास। स्वाति सिंह ने वर्ष 2018 में श्रमजीवी संघटना की मदद से यहां पहला अभ्यासिका केंद्र शुरू किया था। शुरुआत में कठिनाइयों और विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे पढ़ाई की ओर आकर्षित होने लगे। आज स्थिति यह है कि बच्चों की बढ़ती संख्या और उनकी शिक्षा में रुचि ने महिलाओं के जीवन को भी नई दिशा दी है।

संस्था का मानना है कि जब तक बच्चों का माहौल और संगत नहीं बदलती, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं। लगातार समुपदेशन और प्रोत्साहन के बाद अब कई महिलाएं अपने बच्चों को सरकारी हॉस्टलों और साथी संस्था के छात्रावासों में दाखिला दिला चुकी हैं। इससे बच्चों को सुरक्षित और शैक्षिक वातावरण मिल रहा है।

साईं सेवा संस्था के कामकाज को देखते हुए हाल ही में भिवंडी मनपा ने भी कदम बढ़ाते हुए अभ्यासिका केंद्र के लिए गार्डन परिसर में हॉल उपलब्ध कराया है। यह कदम महिलाओं और बच्चों के लिए नई उम्मीद साबित हो रहा है। स्वाति सिंह कहती हैं, अब बस्ती का कोई भी बच्चा दलाल या गुंडा नहीं बनेगा, बल्कि पढ़-लिखकर अपनी मां को इस गली से बाहर ले जाएगा। वहीं महिलाएं भी मानती हैं कि शिक्षा ही उनके बच्चों के भविष्य को संवार सकती है। आज हनुमान टेकरी की गलियों में बदलाव की आहट साफ सुनाई देती है। जहां कभी मजबूरी और अंधकार का साया था, वहां अब शिक्षा की ज्योति और बच्चों की मुस्कान बिखर रही है।

भिवंडी के महा रक्तदान शिविर में 507 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

रक्तदाताओं का 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में एकता के राजा के रूप में जाना जाने वाला धामणकर नाका मित्र मंडल सार्वजनिक गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियों का आयोजन करता है और यह त्योहार एक ऐसे गणेशोत्सव के रूप में जाना जाता है जो सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं बल्कि एक सामाजिक आयोजन भी है। पिछले छह वर्षों से, धामणकर नाका मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संतोष शेट्टी की अवधारणा पर गणेशोत्सव के दौरान एक बड़ा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। इस वर्ष, रविवार को मुंबादेवी ब्लड और थैलेसीमिया डे केयर सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। सुबह के सत्र में, भारतीय सेना के सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने सबसे पहले रक्तदान किया और शिविर का उद्घाटन संतोष शेट्टी ने किया। इस अवसर पर, मंडल के प्रमुख पदाधिकारी, हसमुख पटेल, दिलीप पोद्दार, मोहन बल्लेवार, आयोजन समिति के राकेश पटवारी, चंद्रकांत हेगड़े, भिवंडी वॉरियर्स ग्रुप के फूलसिंह सोलंकी, सूरज भागवत और उनके सैनिक साथी उपस्थित थे।शाम तक चले इस रक्तदान शिविर में 507 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। खास बात यह है कि इन सभी रक्तदाताओं को धामनकर नाका मित्र मंडल की ओर से भारतीय डाक विभाग की ओर से 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा देकर सम्मानित किया गया है। इस अनूठी अवधारणा के कारण, इस रक्तदान शिविर को रक्तदाताओं से सहज प्रतिक्रिया मिली, जिसमें महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।शाम तक चले इस रक्तदान शिविर में 507 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। समय के अभाव के कारण बहुत इच्छुक दानदाता को वापस जाना पड़ा। खास बात यह है कि इन सभी रक्तदाताओं को धामनकर नाका मित्र मंडल की ओर से भारतीय डाक विभाग की ओर से 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा देकर सम्मानित किया गया है। इस अनूठी अवधारणा के कारण, इस रक्तदान शिविर को रक्तदाताओं से सहज प्रतिक्रिया मिली, जिसमें महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संतोष शेट्टी ने पत्रकारों से कहा कि सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं आम जनता तक नहीं पहुंच पाती हैं। मंडल ने इस रक्तदान शिविर के माध्यम से रक्तदाताओं के लिए जहां दुर्घटना बीमा निकाला, वहीं उनके डाकघर के खातों में भी इसी माध्यम से उनके बैंक खाते खोले गए हैं। जिससे भविष्य में रक्तदाताओं को बचत करने की आदत भी पड़ेगी।

भिवंडी पालिका ने तीन माह में की 22 करोड़ की रिकॉर्ड वसूली, बनेगा भरारी पथक

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका ने टैक्स वसूली के क्षेत्र में इस वर्ष नई मिसाल पेश की है। कर विभाग के उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर के नेतृत्व में केवल तीन माह (अप्रैल से अगस्त) के दौरान 22 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। यह आंकड़ा पिछले वर्षों की तुलना में कई गुना अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में जहां कुल वसूली मात्र 13.77 करोड़ रुपये पर सीमित रही थी और 2024-25 में मार्च तक 13.98 करोड़ रुपये ही जमा हो पाए थे, वहीं इस बार 2025-26 की शुरुआत के शुरुआती तीन महीनों में ही 22 करोड़ रुपये वसूल लिए गए हैं। खास बात यह है कि इस बार किसी भी प्रकार की ब्याज माफी योजना लागू नहीं की गई, जबकि पिछले दोनों वर्षों में तीन-तीन बार अभय योजना का लाभ करदाताओं को दिया गया था। उपायुक्त क्षीरसागर ने बताया कि अब प्रशासन 'भरारी पथक' का गठन करने जा रहा है, जो शहर के शीर्ष 50 बकायेदारों पर सीधी कार्रवाई करेगा। उनका कहना है कि बड़े करदाताओं से वसूली पर जोर देकर पालिका की वित्तीय स्थिति को और मजबूत किया जाएगा, ताकि विकास कार्यों की रफ्तार तेज हो सके। पालिका आयुक्त अनमोल सागर ने भी पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि इस बार बकायेदारों को ब्याज माफी का कोई लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने लक्ष्य रखा है कि अप्रैल तक अधिकतम बकाया राशि वसूल ली जाए। इस रिकॉर्ड वसूली से जहां पालिका प्रशासन में उत्साह का माहौल है, वहीं करदाताओं में भी हलचल बढ़ गई है। माना जा रहा है कि यदि यही रफ्तार कायम रही, तो आने वाले महीनों में पालिका की आय नए ऊंचे मुकाम पर पहुंच सकती है।

बंद घर का ताला टूटा, 46 हजार के गहने गायब

भिवंडी। शांतिनगर क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह वारदात 30 अगस्त की शाम 6 बजे से रात 12 बजे के बीच घटी। जानकारी के अनुसार, अंजली इस्फाक अंसारी अपने घर को ताला लगाकर बाहर गई थीं। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने खिड़की का कांच तोड़कर घर में घुसपैठ की और अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी गए गहनों की कीमत करीब 46 हजार 500 रुपये बताई जा रही है। विश्वनाथ ठाकुर बिल्डिंग,यश होटल, शिव मंदिर के पास स्थित घर में घटी इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है। शांतिनगर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक चोरों ने बड़ी सफाई से वारदात को अंजाम दिया है और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।

करोड़ों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने लिया ऐतिहासिक संकल्प

नई दिल्ली। एक ऐतिहासिक पहल के तहत अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने आज पूरे देश में पांच लाख से अधिक स्कूलों में 'हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान' अभियान का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर के लाखों छात्र और लाखों शिक्षक एक साथ पांच सूत्रीय संकल्प पढ़कर शिक्षा, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह अभियान ABRSM की व्यापक दृष्टि 'हमारा विद्यालय - हमारा तीर्थ' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य हर स्कूल में गर्व, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना जगाना है। दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता में ABRSM की राष्ट्रीय महामंत्री गीता भट्ट ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा, 'हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में गर्व, जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों की भावना को प्रोत्साहित करना है। शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का साधन भी है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस पांच सूत्रीय संकल्प में स्कूलों को स्वच्छ, अनुशासित और प्रेरणादायक बनाए रखने, स्कूल संसाधनों को राष्ट्रीय संपदा मानने, समानता और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने, शिक्षा को चरित्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम मानने तथा स्कूल को सेवा, मूल्य और उत्कृष्टता का तीर्थ मानने का संदेश दिया गया है।'

इस अभियान में कठिन मौसम के बावजूद शिक्षकों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुछ राज्यों,

जैसे जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में खराब मौसम के कारण संकल्प नहीं लिया जा सका, जबकि अन्य कई राज्यों में बारिश और कठिन मौसम के बावजूद छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक संकल्प लिया, जो उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गीता भट्ट ने कहा, 'कुछ राज्यों में बारिश और कठिन परिस्थितियों के बावजूद छात्रों और शिक्षकों का उत्साह और समर्पण अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

भिवंडी में वाहन टक्कर में एक युवक की मौत

भिवंडी। ठाणे नासिक हाइवे पर रांजनोली इलाके में डायमंड होटल के सामने एक अज्ञात वाहन चालक ने 35 वर्षीय युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक को मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में कोनगांव पुलिस स्टेशन में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह लगभग 4 बजे ठाणे नासिक मार्ग के पास राजनोली इलाके में डायमंड होटल के सामने पैदल जाते समय एक अज्ञात वाहन पूरी गति से आया और उसे जोरदार टक्कर मार दी। युवक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच, घटना की जानकारी मिलने पर कोनगांव पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी इंदिरा गांधी उप जिला अस्पताल, भिवंडी में भेज दिया। पुलिस युवक के पहचान की जांच कर रही है। दुर्घटना को कोनगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है और पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस तकनीकी रूप से वाहन चालक की तलाश कर रही है।

'न तीन में न तेरह में' सपा की बिहार यात्रा पर केशव मौर्य का वार

बोले–'अखिलेश सिर्फ रिश्तेदारी निभाने आए थे!'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि 'वोट अधिकार यात्रा' में यादव की हालत 'न तीन में न तेरह में' जैसी ही रही।

मौर्य ने एक प्रचलित मुहावरे का प्रयोग करते हुए सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार में नितांत असफल 'वोट अधिकार यात्रा' में सपा बहादुर अखिलेश यादव की हालत 'न तीन में न तेरह में' जैसी ही रही।' 'न तीन में न तेरह में' मुहावरे का मतलब जिसका कोई लेना-देना न हो, या जो किसी बात से बिलकुल ही अप्रासंगिक हो। मौर्य ने पोस्ट में कहा कि जिस पार्टी का बिहार की धरती पर न कोई अतीत है, न वर्तमान और न कोई भविष्य। उनका बिहार से संबंध केवल लालू प्रसाद यादव के परिवार से नातेदारी तक सीमित है। बिहार की जनता इनकी खातिरदारी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इसकी बानगी आने वाले चुनाव में मिलेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुए थे और बिहार की जनता का आह्वान किया कि वह 'मगध' (बिहार) में भी उसी तरह भारतीय जनता पार्टी को हराये, जैसे पिछले लोकसभा चुनाव में लोगों ने उसे 'अवध' (फैजाबाद-अयोध्या) में हराया था। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग को 'जुगाड़ आयोग' बना दिया है। यादव ने 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत आरा (भोजपुर) में आयोजित एक सभा में उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला देते हुए कहा कि हम लोगों ने मिलकर अवध में हराया था, इस बार मगध में भारतीय जनता पार्टी को हराने की जिम्मेदारी आपकी है।

पारदर्शिता बढ़ाने को शीघ्र लागू होगा नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के स्थान पर उत्तर प्रदेश में नया कानून लागू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी के रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण तथा उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए युगानुकूल और व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए।

सीएम योगी ने कहा, वर्तमान अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरण/विघटन और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, तथा सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। इसी प्रकार, वित्तीय अनुशासन के लिए ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण और संपत्ति प्रबंधन से संबंधित नियम भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में यह आवश्यक

है कि व्यावहारिकता का ध्यान रखते हुए युगानुकूल सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और सदस्य हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट हो या सोसाइटी, कुछ लोगों की कुत्सित मानसिकता के चलते संस्थाओं की संपत्तियों की मनमानी बिक्री न हो, यह रोकने के लिए ठोस व्यवस्था की जानी चाहिए। विवाद की स्थिति में प्रशासक नियुक्त किये जाने को अनुपयुक्त बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संस्था कैसे संचालित होगी, यह प्रबंध समिति ही तय करे। सरकार अथवा स्थानीय प्रशासन की ओर से संस्थाओं के आंतरिक कामकाज में न्यूनतम हस्तक्षेप ही होना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग आठ लाख से अधिक संस्थाएँ पंजीकृत हैं, जिनकी गतिविधियां शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता, ग्रामीण विकास, उद्योग, खेल आदि अनेक क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। इसलिए उनके संचालन, सदस्यता, चुनाव और वित्तीय अनुशासन से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा किया कि निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के विघटन, निरस्तीकरण और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन के लिए अधिनियम में ठोस प्रावधान होना चाहिए। साथ ही सदस्यता विवाद, प्रबंधन समिति में मतभेद, वित्तीय अनियमितताओं तथा चुनाव संबंधी विवादों के त्वरित और समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था की जानी उचित होगी।

प्रिंसिपल ने 7वीं की छात्रा को लिखा लव लेटर कहा- 'तुम्हें पत्नी बनाना है', हुआ गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। यूपी के अलीगढ़ में एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली 7वीं कक्षा की छात्रा के साथ प्रिंसिपल ने शर्मनाक हरकत की. आरोप है कि प्रिंसिपल ने छात्रा को लव लेटर लिखकर परेशान किया और शादी का दबाव बनाया. इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

दरअसल, यह घटना अलीगढ़ के जवां ब्लॉक के एक गांव की है. यहां के तालिवनगर स्थित सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल शकील अहमद ने स्कूल में पढ़ने वाली 7वीं कक्षा की 11 साल की छात्रा के साथ छेड़छाड़ की. छात्रा ने डरकर घर पहुंचकर अपनी मां को इस बारे में बताया.

जिसके बाद पीड़िता की मां ने तुरंत ही डीएम और एसएसपी से मिलकर शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी प्रिंसिपल शकील अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. वहीं, पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है.

पीड़ित छात्रा की मां ने मीडिया को बताया कि प्रिंसिपल शकील अहमद उनकी बेटी को परेशान करता था. आरोपी ने छात्रा को किसी को कुछ भी बताने पर धमकी भी दी थी, जिसके कारण वह बहुत डरी हुई थी. काफी पूछने के बाद उसने पूरी बात बताई. मां ने यह भी बताया कि आरोपी ने एक बार उनकी बेटी को लव लेटर दिया था. इस लेटर में उसने लिखा था कि वह उसे बहुत पसंद करता है और उसे पत्नी की तरह देखता है. इस मामले के सामने आने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रिंसिपल शकील अहमद को निलंबित कर दिया है. उन्होंने बताया कि आरोपी शिक्षक की सेवाएं पूरी तरह से समाप्त करने की तैयारी की जा रही है.

पुलिस हिरासत में हुई युवक की मौत, परिजनों का आरोप- युवती के परिवार के साथ मिलकर की हत्या

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हरदोई जिले के शाहाबाद कोतवाली में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि युवक को पांच दिन के लिए हिरासत में रखा गया। इसके बाद फोन आया कि उसकी तबीयत खराब है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, पुलिस का कहना है कि इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, शाहाबाद पुलिस ने रवि राजपूत (20) को एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के

आरोप में हिरासत में लिया था। रविवार को उसने कोतवाली परिसर में स्थित शौचालय में फंदा लगा लिया। इसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीरज जादौन मौके पर पहुंचे।

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों व स्थानीय लोगों की थाने के बाहर भीड़ जमा हो गई। एसपी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने बताया कि रवि राजपूत को पुलिस ने हिरासत में लिया था। उस पर 16 वर्षीय किशोरी को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप था। रवि व लड़की दोनों को पुलिस ने बरामद कर लिया था। वहीं, एसपी नीरज कुमार जादौन ने मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। परिजनों की शिकायत पर विवेचक उपनिरीक्षक वरुण कुमार शुक्ला को निलंबित कर दिया गया है।

महाआर्यमन सिंधिया एमपीसीए अध्यक्ष चुने गए सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी संभालेगी कमान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे और ग्वालियर संभाग क्रिकेट संघ (जीडीसीए) के उपाध्यक्ष महान आर्यमन सिंधिया को मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ ही, ग्वालियर के पूर्व राजघराने की तीसरी पीढ़ी के 29 वर्षीय वंशज के सूबे के क्रिकेट संगठन की कमान संभालने का रास्ता साफ हो गया है।

महान आर्यमन वर्ष 1957 में स्थापित एमपीसीए के इतिहास के सबसे युवा अध्यक्ष के रूप में इस संगठन की बागडोर संभालने के लिए तैयार हैं। एमपीसीए के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) रोहित पंडित ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एमपीसीए चुनावों में अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ और इस तरह पूरी कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुन ली गई है।

उन्होंने बताया कि एमपीसीए की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पर दो सितंबर (मंगलवार) को आयोजित वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में अंतिम मुहर लग जाएगी जिसके बाद कार्यकारिणी के पदाधिकारी अपना कार्यभार संभालेंगे। पंडित ने बताया कि एमपीसीए की नयी कार्यकारिणी में विनीत सेठिया उपाध्यक्ष, सुधीर असनानी सचिव, अरुंधति किरकिरे संयुक्त सचिव और संजीव दुआ कोषाध्यक्ष चुने गए हैं।

उन्होंने बताया कि एमपीसीए की प्रबंध समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों में संध्या अग्रवाल, प्रसून कनमड़ीकर, राजीव रिसोड़कर और विजेश राणा शामिल हैं, वहीं क्रिकेट समिति में प्रदीप बनर्जी, रमणीक पटेल और अभय लघाटे को जगह दी गई है। एमपीसीए के निवर्तमान अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर ने पीटीआई- से कहा, पिछले छह साल के दौरान एमपीसीए ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

मुझे उम्मीद है कि महान आर्यमन सिंधिया के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित कार्यकारिणी एमपीसीए को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। क्रिकेट के गलियारों में महान आर्यमन की सक्रियता गुजरे तीन सालों में लगातार बढ़ती देखी गई है। महान आर्यमन 2022 में जीडीसीए के उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए थे। उन्हें 2022 में ही एमपीसीए का आजीवन सदस्य बनाया गया था।

महान आर्यमन सूबे की टी20 क्रिकेट लीग मध्यप्रदेश लीग (एमपीएल) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने 2024 में अपने गृहनगर ग्वालियर से एमपीएल की शुरुआत की थी। वैसे सिंधिया परिवार लम्बे वक्त से सूबे के क्रिकेट प्रशासन में है और एमपीसीए पर इस परिवार का पिछले कई दशकों से वर्चस्व बरकरार है।

महान आर्यमन के दिवंगत दादा माधवराव सिंधिया और उनके पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया भी एमपीसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं। मध्यप्रदेश सरकार के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एमपीसीए में सिंधिया परिवार के वर्चस्व को 15 साल पहले चुनौती दी थी। एमपीसीए के वर्ष 2010 के चुनावों में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कैलाश विजयवर्गीय के बीच सीधी भिड़ंत हुई थी।

भारी खींचतान के बीच हुए इन चुनावों में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एमपीसीए अध्यक्ष पद पर विजयवर्गीय को 70 वोटों से हराया था। इन चुनावों में शक्तिशाली सिंधिया खेमे ने नये-नवेले विजयवर्गीय गुट का सूपड़ा साफ करते हुए कार्यकारिणी के सभी प्रमुख पदों पर कब्जा जमाया था। ज्योतिरादित्य सिंधिया उस वक्त केंद्र की कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री थे, तो विजयवर्गीय प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में इसी विभाग के काबीना मंत्री का ओहदा संभाल रहे थे।

लोढ़ा समिति की सिफारिशों के चलते ज्योतिरादित्य सिंधिया और संजय जगदाले सरीखे वरिष्ठ क्रिकेट प्रशासकों को एमपीसीए के अपने अहम ओहदे जनवरी 2017 में छोड़ने पड़े थे क्योंकि तब दोनों को इस संगठन की प्रबंध समिति के अलग-अलग पदों पर रहते नौ साल से अधिक का समय हो गया था। नतीजतन वे लोढ़ा समिति की सिफारिशों के मुताबिक इस संगठन में पद संभालने के लिए अपात्र हो गए थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्ष 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। एमपीसीए में कैलाश विजयवर्गीय गुट और ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे की खींचतान पहले ही खत्म हो चुकी है।

आर प्रज्ञानंनदा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग, कार्लसन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फिडे की सितंबर 2025 महीने की रैंकिंग जारी हो गई है। इस दौरान भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने अपने करियर के सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है। प्रज्ञाननंदा 2785 ईएलओ के साथ चौथे नंबर पर पहुंचकर भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले क्लासिकल खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया है। यह बढ़त सिंकफील्ड कप में उनके दूसरे स्थान पर रहने से और भी बढ़ गई है। इससे पहले अगस्त में उनकी रेटिंग 6 अंक की थी।

वहीं इस रैंकिंग में एक बार फिर नॉर्वे के खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन टॉप पर हैं। हालांकि,

वो अब चैंपियन नहीं है, लेकिन रेटिंग के हिसाब से अभी भी नंबर 1 क्लासिकल खिलाड़ी हैं। उनके बाद ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

भारत के अन्य शीर्ष शास्त्रीय खिलाड़ियों में पांचवें स्थान पर अर्जुन एरिगैसी (2771 त्दि) और छठे नंबर पर मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश (2767 त्दि) शामिल हैं।

इसके लावा वैश्विक टॉप 10 में एक उल्लेखनीय नवागंतुक जर्मन के विन्सेंट कीमर हैं, जिन्होंने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2025 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद तेजी से 21 रेटिंग अंक प्राप्त किए और एलीट क्लब में एंट्री की है।

वहीं इस रैंकिंग में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है जो कि वेस्ली सो का है। जिन्होंने हाल ही में समाप्त हुई सिंकफील्ड कप जीता। वेस्ली अपने दूसरे खिताब की बदौलत दुनिया में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

महिला वर्ल्ड कप 2025 जीतने वाली टीम होगी मालामाल, लगभग 300 गुना बढ़ी इनामी राशी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी ने सोमवार को भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि की घोषणा की है। वहीं इस बार खास बात ये है कि, इस राशी में 297 प्रतिशत की वृद्ध हुई है। आईसीसी ने आधिकारिक बयान में आईसीसी ने पुष्टि करते हुए प्रमुख टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि त्र13.88 मिलियन होगी जो कि, भारतीय रुपये में 122 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम होती है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ये फैसला लेकर महिला क्रिकेट को अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है।

बता दें कि, महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को 4.48 मिलियन डॉलर्स के इनाम का ऐलान किया गया है जो भारतीय रुपये में लगभग 40 करोड़ रुपये बैठती है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम को 2.24 मिलियन यानी लगभग 20 करोड़ रुपये मिलेंगे।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम को लगभग 10 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। ग्रुप स्टेज में एक मैच जीतने वाली टीम को 34 हजार डॉलर यानी 30.19 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीम को 6.16 करोड़ रुपये के इनाम से नवाजा जाएगा।

वहीं सातवें और आठवें नंबर पर रहने वाली टीमों को भी 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। कोई टीम मैच जीते या नहीं हर टीम को कम से कम 2 करोड़ 50 लाख रुपये मिलेंगे। वही सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि, पुरुष 2023 वनडे वर्ल्ड कप की प्राइज मनी 10 मिलियन डॉलर्स यानी लगभग 88.29 करोड़ रुपये थी। वहीं आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि, ये घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित होगी। जय शाह ने आगे कहा कि, पुरस्कार राशी में चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है।

ओवल इनविंसिबल्स ने तीसरी बार जीता द हंड्रेड का खिताब, जमकर हुई पैसों की बारिश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ओवल इनविंसिबल्स ने द हंड्रेड 2025 का खिताब जीता है। सैम बिलिंग्स की कप्तानी में टीम ने फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स को मात दी। नीता अंबानी के मालिकाना हक वाली टीम का ये लगातार तीसरा खिताब है। वहीं खिताब के साथ टीम में जमकर पैसों की बारिश हुई। सैम बिलिंग्स की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए। इस दौरान सलामी बल्लेबाज विल जैक्स ने 72 रनों की विस्फोटक पारी खेली। 41 गेंदों में खेली गई इस पारी में उन्होंने 2 छक्के और 7 चौके भी जड़ेय़ वहीं जॉर्डन कॉक्स ने 28 गेंदों में 40 रनों की अहम पारी खेली। वहीं जवाब में ट्रेंट रॉकेट्स 142 रन ही बना पाई।

हालांकि, मार्कस स्टोइनिस ने संघर्ष करते हुए एक अच्छी पारी खेली लेकिन वो उनकी टीम के काम नहीं आ पाई। स्टोइनिस ने 38 गेंदों में 5 छक्के और 4 चौकों की मदद से 64 रन बनाए। ओवल इनविंसिबल्स ने 26 रनों से फाइनल मैच अपने नाम किया। इस दौरान नाथन साउटर को सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया जिन्होंने 20 गेंदों के स्पेल में 25 रन देकर 3 विकेट झटके।

बता दें कि, द हंड्रेड का ये पांचवां सीजन था। लगातार तीसरी बार है जब ओव इनविंसिबल्स चैंपियन बन है। इस टीम ने इससे पहले 203 में मेनचेस्टर ऑरिजिनल्स और 2024में साउथर्न ब्रेव को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

एशिया कप 2025 से पहले शुभमन गिल और बुमराह ने पास किया फिटनेस टेस्ट
यो-यो में शीर्ष पर रहे रोहित शर्मा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 से पहले टीम इंडिया के उपकप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह सहित कई खिलाड़ियों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वहीं वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित सत्र पूर्व यो-यो टेस्ट में टॉप पर रहे।

पंजाब के 25 वर्षीय बल्लेबाज को एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के लिए भारत का उपकप्तान बनाया गया है। जिसके बाद 9 सितंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया जल्द ही दुबई के लिए रवाना होगी। गिल के लिए फिटनेस टेस्ट अनिवार्य हो गया था क्योंकि उन्हें बुखार के कारण दलीप ट्रॉफी से हटना पड़ा था जहां उन्हें नॉर्थ जोन का कप्तान बनाया गया था और वे पिछले कुछ दिनों से अपने घर में आराम कर रहे थे। वहीं जानकारों के अनुसार, जिन अन्य खिलाड़ियों ने बिना किसी समस्या के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में टेस्ट पास किया है उनमें मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर शामिल हैं। अब मानक यो-यो परीक्षण के अलावा फिटनेस परीक्षण के दौरान हड्डियों के घनत्व की जांच के लिए एक सरलीकृत विधि डीएक्सए स्कैन भी किया गया। साथ ही टेस्ट और टी20 से संन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा के पास फिलहाल कोई कार्यभार नहीं है लेकिन ये सीनियर बल्लेबाज नवंब में वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जा सकता है और उससे पहले वह 30 सितंबर, तीन और पांच अक्तूबर को कानपुर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए के लिए तीन वनडे मैच भी खेल सकते हैं।

दिल्ली सरकार दिवाली से पहले व्यापारियों को 1, 600 करोड़ रुपये के लंबित जीएसटी रिफंड वितरित केरगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को2019 से लंबित लगभग 1, 600 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिफंड व्यापारियों को दिवाली से पहले जारी करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री गुप्ता ने रविवार को सिविल लाइंस स्थित अपने कैंप कार्यालय में जीएसटी विभाग की एक विशेष बैठक बुलाई, जिसमें जीएसटी आयुक्त नंदिनी पालीवाल, वित्त सचिव शूरवीर सिंह और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछली (आम आदमी पार्टी सरकार) सरकार इस लंबित राशि के निपटान के लिए कोई ठोस उपाय करने में विफल रही। गुप्ता ने निर्देश दिया कि दिवाली से पहले व्यापारियों को पूरी रिफंड राशि वितरित की जाए। उन्होंने कहा कि रिफंड प्रक्रिया को तेज और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए दिल्ली जीएसटी विभाग ने आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी लंबित, निर्विवाद और वास्तविक रिफंड आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर नियमों के अनुसार सख्ती से निपटारा किया जाए।

श्रीसंत थप्पड़ कांड का वीडियो वायरल होने पर भड़के हरभजन सिंह
ललित मोदी को लेकर कह बड़ी बात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईपीएल के पहले सीजन 2008 के दौरान हरभजन सिंह ने एस श्रीसंत को थप्पड जड़ा था। जिसके 17 साल बाद उस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा। हालांकि, उस घटना के लिए हरभजन सिंह श्रीसंत से माफी भी मांग चुके थे और लोग उसे भूल भी गए थे। लेकिन तत्कालीन आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने हाल में उस वीडियो को एक बार फिर वायरल कर दिया। जिस पर हरभजन सिंहने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सवाल उठाया है कि जिस बात को लोग भूल गए हैं उसे इतने सालों बाद सार्वजनिक करने का क्या मतलब है।

बता दें कि, हाल ही में गणेश चतुर्थी के जश्न में शामिल हुए हरभजन सिंह ने जब थप्पड कांड का वीडियो लीग होने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि लोग भूग गए थे, और अब उन्हें उसकी याद दिलाई जा रही है।

इंस्टेंट बॉलीवुड ने भज्जी से बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उसमें पूर्व स्पिनर कहते हुए दिख रहे है कि, जिस तरह से वीडियो लीग किया गया है वो गलत है। ये नहीं होना चाहिए। इसके पीछे उनका कुछ स्वार्थीपूर्ण उद्देश्य रहा होगा। 18 साल पहले कुछ हुआ था, लोग उसे भूल गए हैं और वे उसे याद दिला रहे हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने आगे कहा कि, जो कुछ भी हुआ उसके लिए मुझे बुरा लगता है। हम लोग खेल रहे थे, और सबके मन में कुछ न कु चलता रहता है। गलतियां होती हैं और हम उसके लिए शर्मिंदा महसूस करते हैं। थप्पड़ कांड को अपनी गलती बताते हुए भज्जी ने कहा कि, वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैं कई मौकों पर कह चुका हूं कि मुझसे गलती हुई थी। इंसान गलतियां करता है मैंने भी की। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मैं भविष्य में गलतियां करता हूं तो मुझे क्षमा करें। गलतियां होती हैं।

सेबी के नियमों का पालन न करने पर कोल इंडिया पर जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने सोमवार को कहा कि बीएसई और एनएसई ने उस पर कुल 10.72 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी ने बताया कि यह जुर्माना बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के चलते लगाया गया।

बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), दोनों ने कोयला क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी पर अलग-अलग 5.36-5.36 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में एनएसई और बीएसई से नोटिस मिला है। इस तरह के गैर-अनुपालन के लिए प्रत्येक ने 5, 36, 900 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कोल इंडिया घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कंपनी ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक के कारण नहीं था और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास भी किए गए थे। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति देश के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

बॉक्स ऑफिस पर चला 'परम सुंदरी' का जादू, पहले वीकेंड पर तोड़े 8 फिल्मों के रिकॉर्ड

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर इन दिनों फिल्म 'परम सुंदरी' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। ऐसा पहली बार है जब दोनों स्टार्स एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। दिनेश विजान द्वारा निर्मित इस फिल्म को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल रहा है। ऐसे में अब फिल्म ने पहले वीकेंड ओपनिंग पर अच्छा खासा बिजनेस किया है और इसी के साथ ही इसने एक दो नहीं बल्कि 8 फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में चलिए बताता हैं इसकी तीन दिनों की कमाई के बारे में।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की। फिल्म ने पहले दिन 7.25 करोड़ के साथ खाता खोला और दूसरे दिन इसकी कमाई में बंपर उछाल दर्ज की गई। फिल्म ने पहले शनिवार को 9.25 करोड़ की कमाई की। इसके बाद तीसरे दिन इसकी कमाई और भी उछाल दर्ज की गई। सैकनिल्क की मानें तो फिल्म ने 10.25 करोड़ का बिजनेस किया है, जिसके बाद इसकी कुल कमाई 26.75 करोड़ तक पहुंच गई है। अपनी इस फिल्म की कमाई के साथ ही सिद्धार्थ ने अपनी ही फिल्मों के पहले वीकेंड कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, ये जान्हवी के करियर की 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

गौरतलब है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 'परम सुंदरी' के जरिए कमाई के मामले में अपनी ही 8 फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस फिल्म ने सिद्धार्थ की 'हंसी तो फंसी' (18.40 करोड़), 'बार बार देखो' (21.16 करोड़), 'अ जेंटलमेन' (13.13 करोड़), 'इत्तेफाक' (16.05 करोड़), 'अय्यारी' (11.70 करोड़), 'जबरिया जोड़ी' (10.90 करोड़), 'योद्धा' (14.25 करोड़) और 'मरजावां' (24.42 करोड़) जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

बहरहाल, अगर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' के बारे में बात की जाए तो तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में परम और सुंदरी की लव स्टोरी की कहानी को दिखाया गया है। सिद्धार्थ और जान्हवी की ये पहली फिल्म है, जो कि रोमांटिक ड्रामा मूवी है। इससे पहले सिद्धार्थ को राशि खन्ना के साथ मूवी 'योद्धा' में देखा गया था।

3 बच्चे चाहती हैं जान्हवी कपूर, पहले से ही कर रखी है सब प्लानिंग, बोलीं- हरी मिर्च खाने वाला ही इंप्रेस कर सकता है

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' इन दिनों काफी चर्चा में है। इसने दो दिनों मां ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर लिया है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने दो दिन में 16.5 करोड़ की कमाई की है। मूवी ने पहले दिन 7.25 करोड़ तो दूसरे दिन 9.25 करोड़ का बिजनेस किया। माना जा रहा है कि फिल्म को रविवार का और फायदा मिल सकता है। इसी बीच अब सिद्धार्थ और जान्हवी इसके प्रमोशन के लिए 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के लिए गए थे, जहां पर दोनों कलाकारों ने खूब मजेदार बातें की। इस बातचीत में उन्होंने बताया कि वह क्यों 3 बच्चे चाहती हैं।

जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा 'परम सुंदरी' के प्रमोशन के लिए 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में गए थे। यहां दोनों स्टार्स ने बेबाकी के साथ अपनी बातें कही। इस दौरान अभिनेत्री ने बच्चे करने की इच्छा जताई। दरअसल, कपिल शर्मा ने उनसे पूछा कि वह कितने बच्चे चाहती हैं? तो इस पर जान्हवी कपूर ने बेझिझक जवाब दिया और कहा 'तीन'। इसके बाद जान्हवी ने ये भी बताया कि क्यों? अभिनेत्री ने कहा, 'तीन, पहले तो मेरे लिए लकी नंबर है। और दूसरी बात यह है कि लड़ाई झगड़े हमेशा दो लोगों के बीच होते हैं। ऐसे हालातों में मुझे एक का सपोर्ट जरूरी होता है तो मैंने बहुत सोच-समझकर ये प्लानिंग की है।'

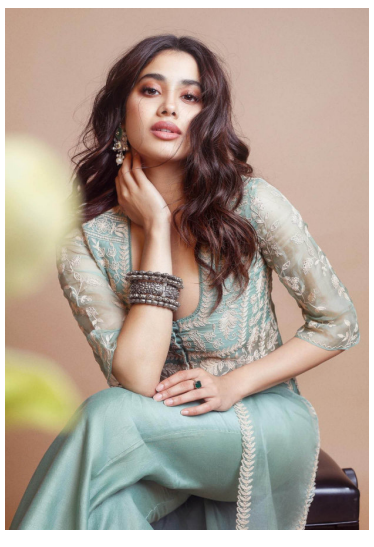

जान्हवी कपूर ने आगे ये तर्क दिया कि अगर दो भाई-बहन के बीच झगड़ा हुआ तो तीसरा उसे सुलझाएगा। उनकी ये बात सुनकर सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी हंसी रोक नहीं पाते हैं और वो लोटपोट हो जाते हैं। इसके साथ ही कपिल के सवालों का पिटारा यहीं खत्म नहीं हुआ। उन्होंने अभिनेत्री से सवाल किया कि उन्हें इंप्रेस कैसे किया जा सकता है। तो इस उन्होंने कहा कि खाने पर निर्भर करता है। इस पर सिद्धार्थ ने झट से कहा कि उनकको बावर्ची चाहिए। जान्हवी कपूर ने आगे पार्टनर को लेकर अपनी पसंद के बारे में बताया कि लोग अगर उतने मजे से ही खाना नहीं खाते हैं, जितना इन्जॉय करके वह खाती हैं तो इस पर उन्हें निराशा हो जाती है। जान्हवी बताती हैं कि उन्हें मसालेदार खाना काफी पसंद है। अगर वो तीखा सहन नहीं कर पाता है तो इससे भी वह काफी निराश हो जाती हैं। एक्ट्रेस कहती हैं कि उनके पार्टनर को पता होना चाहिए कैसा खाना बनाना है? और उसे खाना खाना अच्छा लगना चाहिए। इस बीच 'परम सुंदरी' फेम अभिनेत्री ने उन आदमियों की नकल भी उतारी, जो मिर्ची नहीं खा पाते। एक्ट्रेस ने कहा कि खाने के साथ ही अगर हरी मिर्च साइड में नहीं रखी गई है तो वो क्या खाना है। उन्होंने बताया कि उन्हें हरी मिर्च खाने वाला इंप्रेस कर सकता है।

हिजबुल के मानव जीपीएस बागू खान को सुरक्षा बलों ने उड़ाया, पाकिस्तान के घुसपैठ नेटवर्क को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर से लगातार यह संदेश सामने आ रहा है कि सुरक्षा बल किसी भी आतंकी गतिविधि या घुसपैठ की कोशिश को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। कुख्यात आतंकवादियों का सफाया, घुसपैठियों को सीमा पार करते ही ढेर कर देना, सर्च ऑपरेशनों में हथियारों की बरामदगी और आतंकियों की गिरफ्तारी, ये सब इस बात के संकेत हैं कि सुरक्षा तंत्र पूरी तरह सक्रिय है और लगातार दबाव बनाए हुए है।

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की रणनीति का सबसे अहम हिस्सा घुसपैठ रहा है। लेकिन भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों की सघन चौकसी ने इस पर कड़ा अंकुश लगाया है। सीमा पर तकनीकी साधनों (ड्रोन, सेंसर, नाइट विज़न) का प्रयोग, स्थानीय खुफिया नेटवर्क की मज़बूती और तेज़तर्रार जवाबी कार्रवाई ने आतंकी संगठनों की योजनाओं को लगातार नाकाम किया है। यह साफ है कि कश्मीर में सुरक्षा स्थिति धीरे-धीरे सामान्यीकरण की दिशा में बढ़ रही है। हालांकि चुनौतियाँ अभी शेष हैं, लेकिन हाल के ऑपरेशनों ने यह साबित कर दिया है कि भारत आतंकवाद से लड़ाई में अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक और निर्णायक रुख अपना चुका है

ताजा ऑपरेशनों का जिक्र करें तो आपको बता दें कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को गुरेज़ सेक्टर में कुख्यात आतंकी सहयोगी बागू खाऩ उर्फ़ 'ह्यूमन जीपीएस' को मार गिराया। बागू खाऩ, जिसे आतंकी गिरोहों में 'समंदर चाचा' के नाम से भी जाना जाता था, 1995 से पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (इदख) में सक्रिय था और घुसपैठ की सबसे पुरानी और अहम कड़ियों में गिना जाता था। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, बागू खाऩ ने पिछले तीन दशकों में गुरेज़ सेक्टर और आसपास के इलाकों से 100 से अधिक घुसपैठ प्रयासों को सफल बनाने में भूमिका निभाई थी। इलाके के कठिन भौगोलिक ढाँचे और गुप्त रास्तों की बारीक जानकारी उसे आतंक संगठनों के लिए बेहद खास बनाती थी। भले ही वह हिजबुल कमांडर था, मगर उसने हर आतंकी गुट को मदद पहुँचाई थी, चाहे योजना बनाने में हो या घुसपैठ की रूपरेखा तय करने में।

नौशेरा नार इलाके से घुसपैठ की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने उसे और एक अन्य आतंकी को ढेर कर दिया। यह मुठभेड़ ऑपरेशन नौशेरा नार-घ्क के तहत हुई, जब सेना के जवानों ने भारतीय सीमा में दाखलि होने की कोशिश कर रहे हथियारबंद आतंकियों को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई की। संक्षिप्त गोलीबारी में दोनों आतंकियों का सफाया कर दिया गया।

देखा जाये तो बागू खाऩ का मारा जाना आतंक संगठनों के लॉजिस्टिक और नेटवर्क ढांचे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। दशकों से उसकी भूमिका सिर्फ़ एक आतंकी के रूप में नहीं बल्कि एक 'सुविधादाता' के रूप में भी रही। अब तक सुरक्षा बलों से बचता रहा यह आतंकी आखिरकार भारतीय सेना की सतर्कता और लगातार ऑपरेशनों के चलते मारा गया। हम

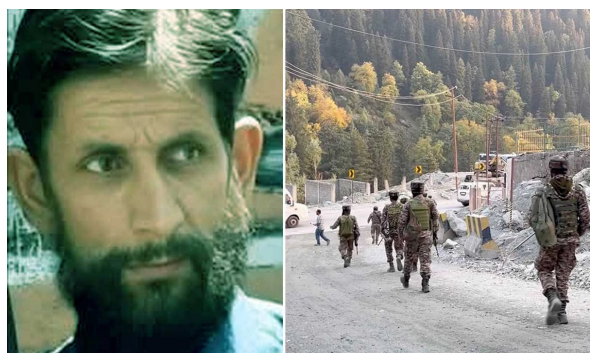

आपको बता दें कि यह मुठभेड़ उस समय हुई जब गुरेज़ सेक्टर में दो दिन पहले ही घुसपैठ की एक और कोशिश को सेना ने नाकाम किया था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि भारतीय सुरक्षा बल न केवल सीमा की निगरानी को और मज़बूत कर रहे हैं बल्कि आतंकी बुनियादी ढांचे को जड़ से कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर के पूंछ जिले के मेंढर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना के जवानों ने आतंकवादियों द्वारा इलाके में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पर तैनात जवानों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते आतंकवादियों के एक समूह को देखा था। यह हलचल सुबह बालाकोट क्षेत्र के डब्बी गांव के पास देखी गई। दोनों पक्षों के बीच भारी गोलीबारी हुई लेकिन किसी के हताहत होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और एक व्यापक तलाशी अभियान संचालित किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने एक ठिकाने का भंडाफोड़ कर वहां से भारी मात्रा में युद्ध में इस्तेमाल होने वाले हथियारों का जखीरा बरामद किया है। एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले के कोटनाला क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान चीन में निर्मित एक पिस्तौल, पाकिस्तान निर्मित चार 'अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर', चार चीनी हथगोले, एक स्नाइपर राइफल की मैगजीन, स्नाइपर के 26 राउंड, एक एके-47 की मैगजीन, एके-47 के 144 राउंड, एक बैग और चीनी भाषा में छपे पर्चे बरामद किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में पुलिस ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान आजमाबाद निवासी तारिक शेख और चंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया तथा उनसे की गई पूछताछ के आधार पर दो राइफल एवं गोला-बारूद बरामद किए गए। पुलिस ने आजमाबाद में शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस दल ने जलियां गांव स्थित शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार बरामद किए।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पश्चिमी कमान के एडीजी एस एस खंडारे ने जम्मू क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा की अलग-अलग समीक्षा की। कठुआ और जम्मू जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर दोनों अधिकारियों का दौरा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा से एक दिन पहले हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बाढ़ से सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसमें बाड़ और जम्मू, सांबा तथा कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा तथा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित सीमा चौकियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल स्थिति का फायदा उठाकर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने की आतंकवादियों की किसी भी कोशिश को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी रख रहे हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रभात ने जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोभित सक्सेना के साथ कठुआ के अग्रिम इलाकों का दौरा किया।

उत्तराखंड भाजपा में नया 'राजनीतिक संकट' पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत ने धामी सरकार को घेरा

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की खुलेआम आलोचना की है और दावा किया है कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनकी निष्क्रियता भाजपा की छवि को धूमिल कर रही है। रावत ने विशेष रूप से कुछ मामलों में आठ महीने बाद भी एफआईआर दर्ज न करने पर पुलिस की विफलता को उजागर किया। रावत ने कहा कि राज्य में भाजपा की छवि को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने बिना कोई विशेष जानकारी दिए कहा कि कई मामले सामने आ रहे हैं जिन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए और सरकार के कामकाज में सुधार होना चाहिए।

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा के 47 विधायक और पाँच सांसद हैं और जनता का विश्वास हर कीमत पर बनाए रखा जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के उन आरोपों का भी खंडन किया, जिनमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 2017 में त्रिवेंद्र रावत सरकार में कैबिनेट मंत्री

रहते हुए उन्होंने भाजपा के लिए 30 करोड़ रुपये का चंदा जुटाया था, जिसमें खनन से जुड़ा एक करोड़ रुपये भी शामिल था।

हरक सिंह रावत पहले भाजपा में थे, लेकिन अब वापस कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि जब वे मुख्यमंत्री थे, तब भाजपा को 27 करोड़ रुपये का चंदा चेक के ज़रिए मिला था। करीब पाँच महीने पहले भी, त्रिवेंद्र सिंह रावत ने संसद में 'उत्तराखंड में बेरोकटोक अवैध खनन' का मुद्दा उठाकर धामी सरकार को असहज स्थिति में डाल दिया था। देहरादून जिला भाजपा अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फेसबुक पर तीन पेजों के संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जहां की थी पुतिन-ट्रंप ने बैठक, वहां घुसेगी भारतीय सेना

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय सेना का एक दल 1 से 14 सितंबर 2025 तक होने वाले भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास 2025 के 21वें संस्करण में भाग लेने के लिए फोर्ट वेनराइट, अलास्का, अमेरिका के लिए रवाना हो गया है। मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के कर्मियों से युक्त यह भारतीय दल, अमेरिका की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की आर्कटिक वोल्फ्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट 'बॉबकैट्स' के सैनिकों के साथ प्रशिक्षण लेगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दो सप्ताह तक, सैनिक हेलीकॉप्टर संचालन, निगरानी संसाधनों और मानवरहित हवाई प्रणालियों का उपयोग, रॉक क्राफ्ट, पर्वतीय युद्ध, हताहतों को निकालना, युद्ध चिकित्सा सहायता और तोपखाने, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों के एकीकृत उपयोग सहित सामरिक

अभ्यासों की एक श्रृंखला का पूर्वाभ्यास करेंगे।

इसके अलावा, दोनों सेनाओं के विषय-वस्तु विशेषज्ञ यूएएस और काउंटर-यूएएस संचालन, सूचना युद्ध, संचार और रसद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कार्य समूहों का संचालन करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित और निष्पादित सामरिक युद्धाभ्यासों के साथ समाप्त होगा, जिसमें लाइव-फायर अभ्यास से लेकर उच्च-ऊंचाई वाले युद्ध परिदृश्य शामिल होंगे, जिसमें संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के लिए क्षमताओं में सुधार और बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए तैयारियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025 के तहत 2 से 4 अप्रैल तक दुव्वाडा फायरिंग रेंज में दोनों देशों की सेनाओं द्वारा आयोजित एक गहन संयुक्त प्रशिक्षण चरण के कुछ महीनों बाद हुआ, जो भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन था। इस अभ्यास ने दोनों सेनाओं के बीच बढ़ते तालमेल, युद्ध और मानवीय सहायता परिदृश्यों में अंतर-संचालन, सामरिक समन्वय और परिचालन तैयारियों को बढ़ाने की पुष्टि की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रशिक्षण की शुरुआत दोनों टुकड़ियों के कमांडिंग अधिकारियों के संयुक्त उद्घाटन भाषण से हुई, जिसने एक सहयोगात्मक और उच्च-प्रभावी जुड़ाव का माहौल तैयार किया। इसके बाद 8 गोरखा राइफल्स इन्फैंट्री बटालियन समूह के कमांडिंग ऑफिसर ने परिचय दिया, जो सुदर्शन चक्र कोर के तहत बाइसन डिवीजन की उभयचर ब्रिगेड का प्रतिनिधित्व कर रहा था। अमेरिकी सेना की टुकड़ी, जिसमें पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट ('बॉबकैट्स') और पहली स्ट्राइकर ब्रिगेड कॉम्बैट टीम, 11वीं इन्फैंट्री डिवीजन ('आर्कटिक वोल्फ्स') के कार्मिक शामिल थे, को भारतीय सेना की प्रशिक्षण पद्धतियों और इस संयुक्त अभ्यास के उद्देश्यों की जानकारी प्राप्त हुई।

चीन में एक ही कार में घूमते दिखे मोदी-पुतिन इसे भेद नहीं सकती 7.62 एमएम की गोली, बम भी बेअसर

बीजिंग **(एजेंसी)**। शंघाई कार्पोरेशन सम्मेलन से एक से बढ़कर एक तस्वीर सामने आई है और हरेक तस्वीर में भारत की ताकत दिख रही है। इसमें चीन का साथ है और रूस के साथ सबसे मजबूत दोस्ती वाला हाथ है। इसी मजबूत दोस्ती की एक और तस्वीर सामने आई जो दुनिया के कई देशों और नेताओं को बेचैन कर सकती है। वो तस्वीर जो सोशल मीडिया पर इस वक्त शेयर की जा रही है, वो इस वक्त चर्चाओं का विषय बन चुकी है। रूस और भारत के नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक होनी थी। इस बैठक के लिए दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष एक साथ एक गाड़ी और एक काफिले में पहुंचे। ऐसा बहुत कम देखने को मिला है, जब किसी द्विपक्षीय बैठक के लिए दोनों पक्ष एक साथ बैठक के लिए पहुंचे हो। चीन के तियांनजिंग से सामने आई तस्वीर बेहद ही खास है। एससीओ की बैठके बाद प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्विपक्षीय बैठक के लिए एक साथ रवाना हुए। इस दौरान सबसे खास बात ये रही कि पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक ही कार में निकले।

पुतिन के साथ ही पीएम मोदी

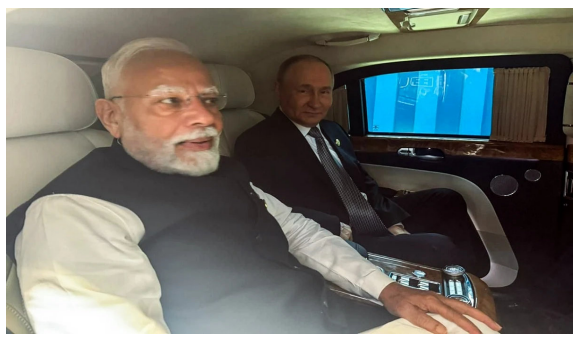

तियांनजिंग के फाइव स्टार होटल रेड स्कायर में गए। इसी होटल में दोनों नेताओं की बैठक भी हुई। बैठक से एक दूसरे के साथ दोस्ती को और बढ़ाने, गहरा करने और साझेदारी को आगे ले जाने को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर हुई। वहीं चीन ने पीएम मोदी को एक लग्जरी कार मुहैया कराई। लेकिन वो पुतिन की ओरस कार में बैठे। चीन की तरफ से पीएम मोदी को मुहैया कराई गई कार वही है जिसका इस्तेमाल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद करते हैं। हांगची एल5 को चीन में रेड फ्लैग के नाम से जाना जाता है और ये सिर्फ़ टॉप लीडर्स के लिए रिजर्व होती है। आपको बता दें कि एससीओ बैठक में शामिल होने के लिए चीन पहुंचे पुतिन अपनी रूस की ओरस प्रेसिडेंशियल कार लेकर आए हैं। ये कार ओरस मोटर द्वारा बनाई जाती है। ये रेट्रो लग्जरी स्टाइल के लिए मशहूर है। कार के दरवाज़ों और जोड़ों को इस तरह मजबूत किया गया है कि गोलियां, रासायनिक पदार्थ, या बम के टुकड़े अंदर नहीं घुस सकते। यह इतना मजबूत है कि ड्रैगुनोव स्नाइपर राइफल से निकली गोली 7.62 स्स् की गोली भी इसे भेद नहीं सकती।

पुतिन की इसी खास गाड़ी में पीएम मोदी भी उनके साथ सवार होकर बैठक वाली जगह पहुंचे। चीनी सरकार ने उनकी कार को डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट दी है। पुतिन की कार पर राजनयिक लाइसेंस प्लेट लगी थी। इस अनोखे कारपूल से पहले दिन में मोदी और पुतिन ने शिखर सम्मेलन स्थल पर एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया था। कैमरों ने इस गले मिलने की घटना को कैद कर लिया, जो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गई। मोदी ने बाद में एक्स पर इस पल को और भी विस्तार से बताते हुए लिखाः राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर हमेशा खुशी होती है!

मोदी के लिए जिनपिंग ने निकाली अपनी फेवरेट कार, रेड फ्लैग के नाम से मशहूर

बीजिंग **(एजेंसी)**। तियांगजिन में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन समिट के दौरान पीएम मोदी का स्वागत बेहद ही खास अंदाज में किया है। दो दिन की इस यात्रा के लिए उन्हें चीन की सबसे प्रेस्टिजियस प्रेसिडेंशियल कार हांगची एल5 मुहैया कराई गई। ये वही कार है जिसका इस्तेमाल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद करते हैं। हांगची एल5 को चीन में रेड फ्लैग के नाम से जाना जाता है और ये सिर्फ टॉप लीडर्स के लिए रिजर्व होती है। इसे सरकारी कंपनी एफएडब्ल्यू फर्स्ट ऑटोमोटिव वर्कस बनाती है, जिसने 1958 में अपनी पहली कार लॉन्च की थी। खासतौर पर कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के लिए। दिलचस्प बात ये है कि 2019 में जब शी जिनपिंग भारत आए थे तब उन्होंने इसी हांगची कार का इस्तेमाल किया था। अब वही सवारी पीएम मोदी के लिए उपलब्ध करवाकर चीन ने खास कूटनीतिक संकेत दिया है।

वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी एससीओ समिट में शामिल होने के लिए तियांनजिन पहुंचे हैं। उनके इस दौरे की भी खूब चर्चा है। वो इस दौरे के लिए अपनी रूस की ओरस प्रेसिडेंशियल कार लेकर आए हैं। ये कार ओरस मोटर द्वारा बनाई जाती है। ये रेट्रो लग्जरी स्टाइल के लिए मशहूर है। चीनी सरकार ने उनकी कार को डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट दी है, जो इस दौरे की अहमियत को और बढ़ाता है। आपको बता दें कि इस समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अहम द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। वार्ता में जिनपिंग ने कहा कि ड्रैगन और एलीफेंट को साथ आना चाहिए और दोस्त बनना चाहिए। दोनों नेताओं के बीच ये बैठक करीब एक घंटे तक चली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चुनौतियों से निपटने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने और सीमा मुद्दे के उचित समाधान की दिशा में काम करने पर सहमति जताई। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर अपनी बातचीत में मोदी और शी ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक रणनीतिक तालमेल का प्रदर्शित किया, वह भी ऐसे समय में जब भारत दो दशकों से अधिक समय में अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (शुल्क) नीति और उनके प्रशासन द्वारा भारत की लगातार आलोचना करने के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। मोदी ने बैठक में कहा कि भारत और चीन दोनों ही ''रणनीतिक स्वायत्तता'' के पक्षधर हैं तथा उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में आई गिरावट के मद्देनजर यह टिप्पणी कफी अहम मानी जा रही है। दोनों नेताओं के बीच वार्ता में भारत-चीन व्यापार घाटे को कम करने, आतंकवाद जैसी चुनौतियों से मिलकर निपटने और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

भारत पर एक्शन लेने को यूरोपीय देशों को उकसा रहे थे ट्रंप, इधर रूस ने ईयू चीफ का प्लेन ही जाम कर दिया

मॉस्को **(एजेंसी)**। इस बात की चर्चा तेज हो चली है कि क्या भारत और अमेरिका के रिश्तों में दरार गहराती जा रही है। पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया और अब यूरोपीय देशों को भी भारत के खिलाफ खड़ा होने का ऑर्डर दे रहे हैं। ट्रंप का आरोप है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदता है और रूस की इकोनॉमी को सपोर्ट करता है। उनका कहना है कि यही पैसा रूस-यूक्रेन युद्ध में झोंका जा रहा है। ट्रंप अब अमेरिका तक सीमित नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने साफ संदेश यूरोपीय देशों को दिया। उनका कहना है कि ईयू देश भी भारत पर दबाव डाले और भारत से तेल खरीदना बंद करे। वैसे देखा जाए तो यूरोपियन दिखावे में ट्रंप का साथ दे रहे हैं, लेकिन पीछे में रूस से एनर्जी डील भी कर रहे हैं। अमेरिका इससे नाराज है। व्हाइट हाउस को लगता है कि यूरोप का रवैया इस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसलिए अब अमेरिका चाहता है कि यूरोप भी भारत पर टैरिफ व प्रतिबंध लगाए। लेकिन इन सब के बीच यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष के साथ एक बड़ी घटना घट गई है। कहा जा रहा है कि इस घटना में भारत के पक्के दोस्त रूस का हाथ है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को ले जा रहे विमान को बुल्गारियाई हवाई क्षेत्र में जीपीएस जाम करके निशाना बनाया गया। कहा जा रहा है कि इस घटना में रूस का हाथ है। रूस और बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों की वॉन डेर लेयेन की यात्रा के तहत प्लोवदिव हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए विमान का जीपीएस सिग्नल हवाई अड्डे के पास पहुँचते ही टूट गया। हालाँकि, उनका विमान सुरक्षित उतर गया। पोडेस्टा ने कहा कि हम निश्चित रूप से पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जाम हो गया था। हमें बल्गेरियाई अधिकारियों से जानकारी मिली । है कि उन्हें संदेह है कि यह रूस के स्पष्ट हस्तक्षेप के कारण हुआ था।

पाकिस्तानी सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 5 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान के डायमर ज़िले की थोर घाटी में सोमवार सुबह पाकिस्तानी सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी पाँच कर्मियों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फ़ारक के अनुसार, थोर घाटी के हुदुर गाँव में एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तकनीकी खराबी के कारण हुई इस दुर्घटना में दो पायलट और तीन तकनीकी चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। फ़ारक ने एक बयान में कहा चिलास के थोर में हमारा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। तकनीकी खराबी के कारण लैंडिंग के दौरान यह दुर्घटना हुई।

डायमर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल हमीद ने बताया कि दुर्घटना के समय हेलीकॉप्टर नियमित जाँच में लगा हुआ था। उन्होंने पुष्टि की, दो पायलटों सहित पाँच लोगों के हताहत होने की सूचना है। हालाँकि शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई, लेकिन अभी तक सटीक कारण का पता नहीं चल पाया है। इसी साल 15 अगस्त को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के मोहमंद ज़िले में एक और एमआई-17 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर बाढ़ राहत अभियान में लगा था और प्रभावित इलाकों में रसद पहुँचा रहा था, तभी खराब मौसम के कारण यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दो पायलटों समेत पाँच लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान में हाल के वर्षों में कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ हुई हैं। 28 सितंबर, 2024 को, तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहा एक चार्टर्ड हेलीकॉप्टर उत्तरी वज़ीरिस्तान में उड़ान के दौरान इंजन फेल होने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। इससे पहले, 25 सितंबर, 2022 को बलूचिस्तान में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में छह पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)